



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 31, 1992 (कार्तिक 9, 1914)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 31, 1992 (KARTIKA 9, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate page is given to each Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बैंकिंग परिवर्तन और विकास विभाग

4म्बई-400005, दिनांक 8 अक्टूबर 1992

सं० बीसी० 36/12.02.001/92—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 24 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 3 मार्च 1992 की अपनी अधिसूचना बीपवि० सं० बीसी० 91/12.02.001/92 में आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा निर्दिष्ट करता है कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से इतर, प्रत्येक अनुसूचित वाणिज्य बैंक 3 अप्रैल, 1992 को बकाया निवल मांग और मीयादी देयताओं [विदेशी मुद्रा अनिवासी

खाता और अनिवासी बाह्य (रुपया) खाता जमादारियों को छोड़कर] के स्तर तक ऐसी देयताओं पर धारा 24 की उपधारा (2 क) में निर्दिष्ट रूप में भारत में प्रास्तियां रखेगा, जो नीचे दर्शायी गयी हैं :

प्रभावी तारीख (अर्थात् निम्न- 3 अप्रैल 1992 को बकाया लिखित तारीख से प्रारंभ निवल मांग और मीयादी देयताओं (विदेशी मुद्रा अ० और अ० बा० पञ्चवाड़ा) पर सांविधिक चलनिधि अनुपात (प्रतिशत)

9 जनवरी, 1993	38.25
6 फरवरी, 1993	38.00
6 मार्च, 1993	37.75

(कुमारी) वि० विश्वनाथन,
कार्यपालक निदेशक

सं० बीसी० 37/12.001/.0/92—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उप-धारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा निविष्ट करता है कि दिनांक 3 मई, 1991 की अधिसूचना बैंपवि वि सं० आरई टी० बीसी० 120/सी० 96 (आरईटी)-91 और 21 अप्रैल 1992 के बैंपवि वि सं० 120/12.01.001/92 के अनुसार 17 अप्रैल, 1992 तक निवल मांग और मीयादी

देयताओं के स्तर पर आधारित बैंकों द्वारा रखे गए 10 प्रतिशत वृद्धिशील प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात के अन्तर्गत अतिरिक्त नकदी शेषशक्तियों का एक तिहाई 17 अक्टूबर, 1992, 14 नवम्बर 1992 और 12 दिसम्बर 1992 को आरंभ होने वाले पखवाड़े में तीन बराबर किरतों में मुक्त किया जाएगा।

(कुमारी) वि० विश्वनाथन
कार्यपालक निदेशक

लोक ऋण कार्यालय

मद्रास-600001, दिनांक 14 सितम्बर 1992

सं० पी० III/IV/245/92—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15 वां) की धारा 43 के अधीन बनाई गई औद्योगिक वित्त निगम (बैंडों का निर्गम) विनियमावली, 1949 के विनियम 10 के अनुसरण में (जून 1992 को समाप्त छमाही के लिए) खोयी आदि प्रतिभूतियों की निम्नलिखित सूची इसके द्वारा विज्ञापित की जाती है। इनके संबंध में प्रथम दृष्टया यह विश्वास करने के आधार है कि प्रतिभूतियां खो गई हैं तथा आवेदक का दावा उचित है। प्रत्येक प्रतिभूति के सामने उल्लिखित दावेदार के अलावा अन्य ऐसे सभी व्यक्तियों को, जिन्हें प्रतिभूतियों पर कोई दावा होना चाहिए कि वे प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय, मद्रास से तुरन्त पत्राचार करें। यह सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग "क" में वे प्रतिभूतियां शामिल हैं जो अब पहली बार विज्ञापित की जाती हैं तथा भाग "ख" में पहले ही विज्ञापित की गई प्रतिभूतियां शामिल हैं।

भाग "क"

—कुछ नहीं—

भाग "ख"

नामावली	प्रतिभूति की संख्या	मूल्य रु०	जिनके नाम पर जारी किया गया है	जिस दिनांक से ब्याज दे है	अनुलिपि जारी करने/ चुकोती मूल्य के लिए दावेदार का नाम	जारी किए आदेश की संख्या व तारीख	प्रथम प्रकाशन की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8
11% आई०एफ० सी० बैंड 2001 (पैतालीसवीं माला)	एम०एस०- 000029	10,00,000	भारतीय रिजर्व बैंक	25-5-1988	बैंक आफ तंजाऊर लि० तंजाऊर	दि० 13 दिस० 1989 के सं० प्र० की डायरी सं० 70 [एल०एन० 26 1)]	8-9-90
11% आई०एफ० सी० बैंड 2002 (पैतालीसवीं माला)	एम०एस०- 000017 एम०एस०- 000018 एम०एस०- 000019 एम०एस०- 000020 एम०एस०- 000021	5,00,000) 5,00,000) 5,00,000) 5,00,000) 5,00,000)	—वही—		27-5-1988	—वही—	8-9-1990

1	2	3	4	5	6	7	8
11 आई०एफ० सी० बांड 2002 (अकृतालीसवीं माला)	एम०एस०— 000040 एम०एस०— 000041 एम०एस०— 000042 एम०एस०— 000043 एम०एस०— 000044 एम०एस०— 000045 एम०एस०— 000046	10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000					
			भारतीय रिजर्व बैंक	24-5-88	बैंक आफ तंजाऊर दि० 13 दिस० 8-9-90 दि. तंजाऊर के सं. प्र. की डायरी सं० 70 [एल. एन. 26(I)]		

डी०एस० रामचन्द्र राजू,
प्रबंधक

भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय कार्यालय
बम्बई, दिनांक 14 अक्टूबर 1992
सूचना

सं० एस वी डी/002326—भारतीय स्टेट बैंक (सहयोगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 29(1) के निबंधनानुसार भारतीय स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक बोर्ड से परामर्श परामर्श करके तथा भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन से श्री सुप्रिय गुप्ता को और एक वर्ष की अवधि दिनांक 17 अक्टूबर 1992 से 16 अक्टूबर 1993 (दोनों दिन सम्मिलित) तक स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर के प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

केन्द्रीय निदेशक मंडल की
कार्यकारिणी समिति के आदेशानुसार

ह/० अपठनीय
उप प्रबंध निदेशक
सहयोगी बैंक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1992

सं० यू - 16 / 53 / 89 / वि० - 2 (कर्नाटक) —
कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) विनियम, 1950 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी)

दिनांक 23 मई 1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा मैसूर के डा० एस० एम० शिवाना को विद्यमान मानकों के अनुसार देय पारिश्रमिक पर 1-10-1992 से 30-9-1993 तक, या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्य-भार ग्रहण करने तक इनमें से जो भी पहले हो, मैसूर केन्द्र के बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता में संदेह होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

डा० (श्रीमती) ए० ए० अम्बेकर
चिकित्सा आयुक्त

दिनांक 5 अक्टूबर 1992

यू०-16/53 सं०/ 85-वि०-2 (उड़ीसा)—
कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या: 1024 (जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा अधीक्षक क० रा० बी० अस्पताल जे० के० पुर को मानकों के अनुसार देय मासिक पारिश्रमिक पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष के लिए या पूर्ण कालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, को उप चिकित्सा आयुक्त (दक्षिण पूर्वी जोन) द्वारा निर्धारित जे० के० पुर के क्षेत्रों के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल

प्रमाण पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

डा० (श्रीमती) ए० ए० अम्बेकर
चिकित्सा आयुक्त

दिनांक 13 अक्टूबर 1992

सं० : यू-16/53/1/90-वि०-2 (महाराष्ट्र)
संग्रह-3 — कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा डा० बी० आर० चौगुले को हछलकारनजी क्षेत्र में बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर आगे प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक वर्ष की अवधि दिनांक 18-7-92 से 17-7-93 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, मौजूदा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूँ।

डा० (श्रीमती) ए० ए० अम्बेकर
चिकित्सा आयुक्त

दिनांक 14 अक्टूबर 1992

सं० यू-16/53/1/90-वि० 2 (आंध्र प्रदेश) :—
कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा डा० पी० एस० आर० के० प्रसाद को नैल्लोर क्षेत्र में बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए एक वर्ष की अवधि दिनांक 1-10-1992 से 30-9-1993 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, मौजूदा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूँ।

डा० (श्रीमती) ए० ए० अम्बेकर
चिकित्सा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर, 1992

सं० एन-15/13/4/1/92-यो० एवं वि०- (2)—
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम, 1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 16-10-92 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा हिमाचल प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम, 1977 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ हिमाचल प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात् :—

“जिला सोलन के राजस्व ग्राम शक्का, हृदबस्त संख्या 196 के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

एस० घोष
संयुक्त बीमा आयुक्त

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून, 1992

सं० 26/ए०डी०एम०/92 भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी अधिनियम, 1920 (1920 का XV) की धारा 5 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी का प्रबंध निकाय सोसाइटी के अध्यक्ष को पहले वी गई स्वीकृति से एतद्वारा प्रबंध निकाय के गठन का विनियमन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाता है :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी प्रबंध निकाय का गठन) नियम, 1992 है।

2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रबंध निकाय का गठन :

सोसाइटी के प्रबंध निकाय में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्

(क) राष्ट्रपति द्वारा उस अवधि तक के लिए एक अध्यक्ष नामित किया जाएगा जब तक वह उस पद हेतु उपयुक्त पाया जाएगा।

(ख) राष्ट्रपति द्वारा उस अवधि तक के लिए छह सदस्य नामित किए जाएंगे जब तक वे उस पद हेतु उपयुक्त पाए जाएंगे।

(ग) राज्य और संघ राज्य क्षेत्र शाखा समितियों द्वारा नियम-4 में निर्धारित प्रक्रियानुसार 2 वर्ष की अवधि के लिए 12 सदस्यों का निर्वाचन किया जाएगा :

परन्तु प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शाखा समिति द्वारा एक से अधिक सदस्यों का निर्वाचन न किया जाए।

परन्तु यह और कि इस धारा के अन्तर्गत निर्वाचित कोई भी सदस्य 2 वर्ष से अधिक अवधि तक लगातार पद धारण नहीं करेगा।

3. निर्वाचक गण

प्रबंध निकाय के 12 सदस्यों का निर्वाचन करने के लिए एक निर्वाचन मंडल होगा, जिसमें प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र शाखा समिति से एक निर्वाचित प्रतिनिधि होगा।

4. राष्ट्रीय प्रबंध निकाय के सदस्यों का निर्वाचन

(1) राष्ट्रीय प्रबंध समिति के सदस्यों के निर्वाचन हेतु स्थान, तारीख और समय का निर्धारण अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अधिसूचित किया जाएगा।

(2) निर्वाचन मंडल के सदस्य अपने मध्य से 12 सदस्य निर्वाचित करेंगे जो राष्ट्रीय प्रबंध निकाय में राज्य और संघ राज्यक्षेत्र शाखाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे।

(3) निर्वाचन करते समय, निर्वाचन मंडल का प्रत्येक सदस्य 12 वोट देने का हकदार होगा, बशर्ते कि वह निम्नलिखित चार क्षेत्रों में से प्रत्येक क्षेत्र के उम्मीदवार के पक्ष में 3 से अधिक वोट न दें :

उत्तरी क्षेत्र : हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़ और दिल्ली।

दक्षिणी क्षेत्र : आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, अडमान और निकोबार, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, पांडिचेरी और उड़ीसा।

पूर्वी क्षेत्र : असम, बिहार, मणिपुर, मेघालय, पश्चिमी बंगाल, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश।

पश्चिमी क्षेत्र : मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, वावरा और नगर हवेली, दमन एवं दीप, गुजरात, गोवा और राजस्थान।

4. प्रत्येक क्षेत्र से पहले तीन शाखा प्रतिनिधियों; जिन्होंने उस क्षेत्र में अधिकतम वोट प्राप्त किए होंगे, को राष्ट्रीय प्रबंध निकाय की ओर से निर्वाचित घोषित किया जाएगा।

(5) बराबर रहने की स्थिति में अध्यक्ष महोदय यह निर्णय करेंगे कि किस शाखा के प्रतिनिधि का प्रबंध निकाय में निर्वाचन किया जाए और उसका निर्णय ही अंतिम निर्णय होगा।

(6) निर्वाचित शाखा प्रतिनिधि उस समय तक सदस्य का पद धारण करेंगे जब तक कि आगामी अवधि के लिए राष्ट्रीय प्रबंध निकाय का पुनर्गठन नहीं किया जाता है।

(7) राष्ट्रीय प्रबंध निकाय की अन्तर्माप्त अवधि के दौरान होने वाली निर्वाचित सदस्यों की रिक्तियों को शाखा प्रतिनिधि द्वारा भरा जाएगा जो उस राज्य/संघ राज्यक्षेत्र की समिति द्वारा निर्वाचित होगा जहां का वह पद रिक्त करने वाला सदस्य था।

5. नियंत्रण :

इन नियमों की व्याख्या में जहां कोई शंका उत्पन्न होती हो, वहां निर्णय हेतु इसे प्रबंध निकाय को भेजा जाएगा और प्रबंध निकाय का निर्णय अंतिम होगा।

6. निरसन और व्यावृत्ति : इन नियमों के लागू होने पर प्रत्येक नियम, विनियम अथवा आदेश का, जो ऐसे प्रारंभ से तत्काल पहले प्रवृत्त है और जहां तक उक्त नियम, विनियम अथवा आदेश में इन नियमों में निहित किसी भी मामले के बारे में कोई व्यवस्था है, प्रवर्तन बंद हो जाएगा।

डा० ए० के० मुखर्जी,
महासचिव

एअर इंडिया

चम्बई दिनांक 9 अक्टूबर 1992

शुद्धि-पत्र

भारत के राजपत्र सं० 30, भाग III—खंड 4 तारीख 25 जुलाई, 1992 के पृष्ठ संख्या 2995 से 3009 पर प्रकाशित "एअर-इंडिया कर्मचारी सेवा विनियम" में पाई गई अशुद्धियों को निम्नानुसार पढ़ा जाए।

- पृष्ठ 2995 पर शीर्षक "एअर इंडिया" के स्थान पर "एअर-इंडिया" पढ़ा जाए।
- दूसरी पंक्ति में "एअर इंडिया" के स्थान पर "एअर-इंडिया" पढ़ा जाए।
- विनियम के प्रथम पैरा की तीसरी पंक्ति में "एअर इंडिया" के स्थान पर "एअर-इंडिया" पढ़ा जाए।
- विनियम के प्रथम पैरा की चौथी पंक्ति में "पूर्व" के स्थान पर "पूर्व" तथा "एअर इंडिया" के स्थान पर "एअर-इंडिया" पढ़ा जाए।
- विनियम के प्रथम पैरा के 1 (i) में "एअर इंडिया" के स्थान पर "एअर-इंडिया" पढ़ा जाए।
- विनियम के प्रथम पैरा 2 में "एअर इंडिया" के स्थान पर "एअर-इंडिया" पढ़ा जाए।
- विनियम के 45 अपील के प्रथम पैरा में "होगा" के स्थान पर "होगा" पढ़ा जाए।
- विनियम के अंत में दी गई टिप्पणी (i) में दूसरी पंक्ति में "राजपत्र" के स्थान पर "राजपत्र" पढ़ा जाए।
- अनुसूची क्रमांक I के क्रमांक II में "वित्तीय एवं लेखा विभाग" के स्थान पर "वित्त एवं लेखा विभाग" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक III के 2 में "जनशक्ति योजना या" के स्थान पर "जनशक्ति योजना या उसके" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक V-1 के कालम 5 में "उप प्रबंधक निदेशक" के स्थान पर "उप प्रबंध निदेशक" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक V-3 के 4थे कालम में "नियंत्रण" के स्थान पर "नियंत्रक" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक VI-3 में "इंजीनियरी प्रबंधक या उसके" के स्थान पर "इंजीनियरी प्रबंधक या" पढ़ा जाए।

- अनुसूची के क्रमांक VI-4 में 5वें कॉलम में "उप-इंजीनियरी" के स्थान पर "उप इंजीनियरी" पढ़ा जाए।
- राजपत्र के पृष्ठ सं० 2999 पर इंजीनियरी ओवरहॉल विभाग के पहले VII पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक VII-1 के 5वें कॉलम में "उप प्रबंधक निदेशक" के स्थान पर "उप प्रबंध निदेशक" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक VIII-4 के 4थे कॉलम में 9वीं पंक्ति में "प्रबंधक" के स्थान पर "प्रबंधक" पढ़ा जाए।
- अनुसूची IX-3 के चौथे कॉलम की अंतिम पंक्ति में तथा IX-4 के चौथे कॉलम की तीसरी पंक्ति में "प्रबंधक" को "प्रबंधक" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक X-2 के चौथे कॉलम की तीसरी पंक्ति में "सहायक" के स्थान पर "सहायक" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक X-4 के चौथे कॉलम की दूसरी पंक्ति में "सोमकक्ष" के स्थान पर "समकक्ष" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक VIII-5 में 4थे कॉलम में "किसी भी अधिकारी की" के स्थान पर "किसी भी अधिकारी का" पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक IX-1, 2, 3, 4, 5 तथा क्रमांक X-1, 2, 3, 4 के कॉलम 3 में (क) से (ङ) के स्थान पर (क) से (ङ) पढ़ा जाए।
- अनुसूची के क्रमांक XI-3 में निदेशक और सतर्कता में हाइफन (-) लगाया जाए।
- अनुसूची के क्रमांक XI-5 के चौथे कॉलम में "या उसके" को "या उसके" पढ़ा जाए।
- अनुसूची XII-1 के अंतिम कॉलम में "उप प्रबंधक निदेशक" के स्थान पर "उप प्रबंध निदेशक" पढ़ा जाए।
- अनुसूची XII-2 के चौथे कॉलम की अंतिम पंक्ति में "नहण" के स्थान पर "नही" पढ़ा जाए।
- अनुसूची XII-3 के दूसरे कॉलम में "प्रबंधक" के स्थान पर "प्रबंधक" तथा 5वें कॉलम में "नियंत्रण" के स्थान पर "नियंत्रक" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XII-3 के चौथे कॉलम की 7वीं पंक्ति में "वस्तुकार" के स्थान पर "वस्तुकार" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XII-4 के 4थे कॉलम की दूसरी पंक्ति में "अधिकार" के स्थान पर "अधिकारी" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XII-4 के पांचवें कॉलम की 4थी पंक्ति में "इंजीनियर" के स्थान पर "इंजीनियरी" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XIII-1 में "उप-निदेशक" के स्थान पर "उप निदेशक" तथा अंतिम कॉलम में पहली और दूसरी पंक्ति में "प्रबंधक" के स्थान पर "प्रबंध" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XIII-2 के अंतिम कॉलम "उपा" के स्थान पर "उप" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XIII-3 में केबिन कू के बाद का चिह्न निकाला जाए तथा इसी के अंतिम कॉलम में "वाणिज्य" के स्थान पर "वाणिज्य" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XIII-4 के अंतिम कॉलम की पहली पंक्ति में "प्रबंधक" के स्थान पर "प्रबंधक" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XIV-2 में दूसरे कॉलम में निदेशक और चिकित्सा के बीच में हाइफन (-) का चिह्न लगाया जाए।
- क्रमांक XIV-3 के अंतिम कॉलम की दूसरी पंक्ति "चिकित्सा" के स्थान पर "चिकित्सा" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XV-3 के चौथे कॉलम की तीसरी पंक्ति में "वरिष्ठ" के स्थान पर "वरिष्ठ" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XV-4 के चौथे कॉलम की तीसरी पंक्ति में "स्टेशन" के स्थान पर "स्टेशन" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XVI-1 के चौथे कॉलम की पहली पंक्ति में "सेवा" के स्थान पर "सेवा" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XVI-2 के अंतिम कॉलम में चौथी पंक्ति में "एयरपोर्ट" के स्थान पर "एअरपोर्ट" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XVI-5 के चौथे कॉलम की 7वीं पंक्ति में "वरिष्ठ" के स्थान पर "वरिष्ठ" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XVII-2 के चौथे कॉलम में तीसरी पंक्ति में "सम क्ष" के स्थान पर "समकक्ष" पढ़ा जाए। तथा XVII-3 के चौथे कॉलम में प्रबंधक नेटवर्क के बीच "र" के चिह्न को निकाला जाए तथा 10वीं पंक्ति में "नेटवर्क" के स्थान पर "नेटवर्क" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XVIII-4 के अंतिम कॉलम की पहली पंक्ति में "उपसचिव" को "उप सचिव" पढ़ा जाए।
- क्रमांक XIX-1 के दूसरी पंक्ति में "रूपकक्ष" के स्थान पर "समकक्ष" पढ़ा जाए।

ज० रा० जगताप
सचिव

पंजाब यूनिवर्सिटी

चण्डीगढ़, दिनांक 12 अक्टूबर 1992

सं० 1-92/जी० आर०—केन्द्रीय सरकार (मानव संसाधन मंत्रालय, शिक्षा विभाग) ने अपने पत्रांक एफ० 23-7/91-यू० आइ० दिनांकित 4-2-1992 द्वारा निम्नांकित विनियमों को मंजूरी दे दी है।

1. पंजाब यूनिवर्सिटी कैम्पस भाग 1, 1989 के पृष्ठ 65-66 पर विनियम 4 और इसके संशोधन को सिविलिट के निर्णय की तिथि से लागू करना चाहिए (परिवर्धन)

दोनों इंजीनियरिंग कालेजों के विभिन्न बोर्ड्स आफ स्टडीज के कन्वீनरों को कालेज की प्रवर्तता के आधार पर रोटेशन द्वारा नामित किया जाए।

2. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग 1, 1989 के पृष्ठ 65-68 पर अध्याय 11 (ए०) (6) "बोर्ड्स आफ स्टडीज" का विनियम 4.

4. निम्नांकित विषयों के बोर्ड्स आफ स्टडीज और इनके कन्वैनीनर सिंडिकेट द्वारा नामित किए जाएंगे :

1. अरबी
2. फारसी
3. उर्दू
4. बंगाली
5. तमिल
6. सिंधि
7. फ़ेन्ग
8. जर्मन
9. रूसी

10. सिन्धुती

11. कलाएं

12. लाइब्रेरी साइंस

13. डिफ़ेन्स एण्ड स्ट्रेटिजिक स्टडीज

14. से	×	×	×
	×	×	×

3. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग 1, 1989 के पृष्ठ 147-148 पर यूनिवर्सिटी कर्मचारियों की सेवा शर्तों से सम्बंधित अध्याय 6 (ए०) का विनियम 15.3 (परिवर्धन)

15.3 जो कर्मचारी सेवा करता हुआ मर जाता है, उसकी हालत में उपदान उसकी मृत्यु के बाव उस व्यक्ति को दिया जाए जिसका नाम विनियम 14.14 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है

15.2 कर्मचारी नए विनियमों द्वारा 15.4 कोई शासित होगा जब तक कि वह नए परिवर्तन विनियमों के लागू होने के एक साल नहीं के अंदर पुराने विनियमों द्वारा शासित होने को नहीं चुनता।

4. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर भाग 1, 1989 (संशोधन और परिवर्धन) के पृष्ठ 16 पर 'वित्त' से सम्बंधित अध्याय 1 (ए) (111) के विनियम 11 और 11.2, 11.3 और 11.4 विनियमों का परिवर्धन।

11.1 यूनिवर्सिटी को दिया कुल दान सिंडिकेट को रिपोर्ट किया जाएगा और यदि यह राशि 5000 रुपये से अधिक है, तो इसे सीनेट को भी रिपोर्ट किया जाएगा।

सिंडिकेट अथवा सीनेट जैसी भी स्थिति हो, यह निर्णय लेगी कि क्या यह दान स्वीकार करना चाहिए, और यदि यह दान स्वीकार किया जाता है तो इसका दानी व्यक्ति की इच्छाओं को मन में रखते हुए कैसे उपयोग करना है। सिंडिकेट/सीनेट द्वारा दान के उद्देश्य में किया कोई भी परिवर्तन तभी किया जाएगा यदि दानी की सहमती हो।

11.2 यूनिवर्सिटी द्वारा कोई तमगा/पुरस्कार आरंभ करने के लिए एक व्यक्ति से स्वीकार किए जाने वाले दान की राशि कम से कम 10000/- रुपये होगी।

व्यक्त कि:—

दानियों के निम्नलिखित प्रवर्गों की हालत में दान की न्यूनतम राशि 5000/- रुपये से कम नहीं होगी:—

(क) जब दानी अथवा वह व्यक्ति जिसके नाम तमगा/पुरस्कार स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है, वह इस यूनिवर्सिटी का विद्यार्थी अथवा कर्मचारी/सेवानिवृत्त कर्मचारी (अध्यापन-अनाध्यापन) है।

(ख) इस यूनिवर्सिटी का फेलो/भूतपूर्व फेलो।

(ग) पंजाब यूनिवर्सिटी से सम्बंध कालेजों का कर्मचारी/सेवानिवृत्त कर्मचारी (अध्यापन/अनाध्यापन)।

11.3 जब किसी स्रोत से दान का प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो सिंडिकेट के सामने प्रस्ताव रखने से पहले यूनिवर्सिटी कार्यालय द्वारा निम्नलिखित सूचना भी प्रदान करनी चाहिए:

(i) दानी का संक्षिप्त सारवृत्त।

(ii) उस व्यक्ति का संक्षिप्त सारवृत्त जिसकी स्मृति में अथवा जिसके लिए दान का नाम देने का प्रस्ताव है, विशेषकर पंजाब यूनिवर्सिटी के उद्देश्यों के अनुकूल उसका सम्बन्ध रूचि। इस उद्देश्य के लिए कार्यालय द्वारा प्रयोग किया जाने वाला प्रोफार्मी परिशिष्ट में दिए गए प्रोफार्मे के अनुसार होगा।

11.4 जब इस दान से पैदा होने वाली वार्षिक आय का उपयोग छात्रवृत्ति/वृत्तिका के लिए आवर्ती आधार पर किया जाना है, तो इस की राशि 100/- प्रति महीना से कम नहीं होनी चाहिए।

5. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग 1, 1989 के पृष्ठ 174 पर "युवक कल्याण क्रियाकलापों का विभाग" से संबंधित अध्याय 7 (ई) का विनियम 2

2. यूनिवर्सिटी से सम्बंध कालेजों और यूनिवर्सिटी अध्यापन विभागों में उपस्थित सभी विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष अक्टूबर के अंत में यूनिवर्सिटी को यूनिवर्सिटी द्वारा समय-समय पर निर्धारित युवक कल्याण फीस और विद्यार्थी हालिड होम फीस के रूप में वार्षिक चंदा अदा करेगा और तभी वह विभाग के क्रियाकलापों में भाग लेने के योग्य होगा।

6. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग 1, 1988 के पृष्ठ 14 पर अनुचित साधनों के प्रयोग के लिए दण्ड से संबंधित विनियम 18

18. यदि कोई परीक्षार्थी (क) परीक्षा केन्द्र के अंदर अथवा बाहर गंभीर अवचारा, अथवा (ख) अधीक्षक अथवा पर्यवेक्षण स्टाफ के किसी सदस्य अथवा फ्लाइंग स्क्वैड/ इन्स्पेक्शन टीम अथवा इस काम के लिए भेजे किसी अन्य व्यक्ति के साथ दुर्य्यवहार करता है अथवा परीक्षा के दौरान या इसके बाद किसी व्यक्ति अथवा परीक्षार्थी के साथ मिल कर उसे गुप्त सहयोग का दोषी पाया जाता है, तो उसके अवचारा/ दुर्य्यवहार की प्रकृतिके अनुसार दो से पांच साल तक के समय के लिए यूनिवर्सिटी परीक्षा में बैठने के अयोग्य करार दिया जाएगा।

7. होम साइंस (पास) परीक्षा में बैचुलर आफ साइंस के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II के पृष्ठ 82 पर विनियम 2.2. (1989 के दाखिलों से लागू)।

2.2. जिस व्यक्ति ने निम्नांकित परीक्षा पास कर ली है वह बी० एस० सी० होम साइंस (पास) कोर्स के दूसरे साल (भाग II) में दाखिल होने के योग्य होगा :—

पंजाब यूनिवर्सिटी की बी० एस० सी० होम साइंस पहला साल (पास) निम्नलिखित विषयों सहित की हो :

- (i) ग्रंथोजी, फिजिआलोजी, हाइजीन, होम साइंस से परिचय और अप्लाइड केमिस्ट्री (केवल साइंस के विद्यार्थियों के लिए)
- (ii) फिजिक्स, केमिस्ट्री, बाटनी, जूआलो, सोशियोलोजी साइकालोजी और अर्धविज्ञान को अर्हक विषयों के रूप में (जिनको उसने + 2 क्लास में नहीं पढ़ा)।

व्यक्ति द्वारा तीन अर्हक विषयों में प्राप्त उच्चतम अंकों को कुल जोड़ में गिना जाएगा; शेष विषयों में पास होना (जिनको परीक्षार्थी ने + 2 स्तर पर नहीं पढ़ा) परीक्षा पास करने के लिए अनिवार्य है।

8. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 107 पर मास्टर आफ आर्ट्स परीक्षा के लिए विनियम 3.1 (II) (ए)।

3.1. कोई परिवर्तन नहीं।

(i) कोई परिवर्तन नहीं।

(ii) (ए) किसी भी फकलटी में बैचुलर डिग्री, कुल अंकों में से कम से कम 50% अंकों सहित।

9. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 107-110 पर मास्टर आफ आर्ट्स परीक्षा के लिए विनियम 3.1 (परिवर्धन)।

3.1. कोई परिवर्तन नहीं

(i) से (ix) × × × × × ×

अर्थात् कि— × × × × × ×

(ए) से (के)

(एल) एम० एम० भाग I (फ्रेच) के लिए जिस व्यक्ति ने इस यूनिवर्सिटी अथवा भारत या विदेश की किसी अन्य मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से फ्रेच में बी० ए० आनर्ज पास की है, वह भी योग्य होगा, अर्थात् कि संबंधित डिग्री को इस यूनिवर्सिटी की डिग्री के अनुरूप मान्यता प्राप्त हो।

10. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1989 के पृष्ठ 107-110 पर मास्टर आफ आर्ट्स परीक्षा के लिए विनियम 3.1

3.1. कोई परिवर्तन नहीं।

(I) से (IX) × × × × × ×

अर्थात् कि :—

(ए) से (एच) × × × × × ×

(i) एम० ए० हिन्दी भाग I की परीक्षा के लिए संस्कृत (वैकल्पिक) अथवा शास्त्री परीक्षा (नया कोर्स) प्राप्त 45% अंक भी स्वीकार किए जाते हैं।

× × × × × × × × × ×

12. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 122 पर मास्टर आफ आर्ट्स/साइंस (सिमेस्टर सिस्टम) परीक्षा (संशोधित) का विनियम 14।

14. उस परीक्षार्थी को पास हुआ माना जाएगा जो प्रत्येक पेपर में 35 % अंक प्राप्त करता है। प्रत्येक परीक्षार्थी को प्रत्येक सिमेस्टर के लिए थिअरी और प्रैक्टिकल कोर्स में अलग-अलग तौर पर पास अंक प्राप्त करने आवश्यक होंगे।

13. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 296-97 पर योग में बैचुलर आफ एजुकेशन के लिए विनियम 8.1 और 10.1

8.1. परीक्षा पास करने के लिए न्यूनतम अंक निम्नानुसार होंगे :

(i) कोई परिवर्तन नहीं।

(ii) भाग II : 40% (इस भाग में केवल बाहरी मूल्यांकन है)।

(iii) कोई परिवर्तन नहीं।

10.1. परीक्षा कटोलर परीक्षा समाप्त होने के पश्चात जितनी, जल्दी संभव हो, परीक्षार्थियों का परिणाम घोषित करेगा। भाग I भाग II और भाग III (बाहरी) में प्राप्त अंकों को मिलाकर योग्यता सूची तैयार की जाएगी। सफल परीक्षार्थियों की हालत में, परिणाम में प्रत्येक भाग में आंतरिक और बाहरी मूल्यांकन में डिबीजन को अलग-अलग तौर पर सूचित किया जाएगा।

14. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 409 पर फकलटी आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालोजी में डाक्टर आफ फिलासफी के लिए विनियम 13 में पाठ टिप्पणी 4 का परिवर्धन

13. कोई परिवर्तन नहीं

1. कोई परिवर्तन नहीं।

2. कोई परिवर्तन नहीं

3. कोई परिवर्तन नहीं।

4. (I) सी० एस० आई० ओ०, सेक्टर 30, चण्डीगढ़, (II) इन्स्टीट्यूट आफ रिसर्च फार माइक्रो-बाइयो-टेक्नालोजी, सेक्टर 39, चण्डीगढ़, (III) टी० बी० आर० एल०, सेक्टर 30,

चंडीगढ़ और (V) पी० जी० आई०, सेंक्टर 12, चंडीगढ़ को पी० एच० डी० शोध के लिए केन्द्रों के तौर पर मान्यता प्राप्त है।

15. बी० ए०/बी० एम० सी० (जनरल और आनर्ज) परीक्षाओं के लिए विनियम 15।

15 (ए) कोई परिवर्तन नहीं।

(i) से (iii) ××× ×××

(iv) निम्नलिखित विषयों की हालत में अंग्रेजी, हिन्दी और पंजाबी में :—

अर्थविज्ञान, समाजविज्ञान, लोक प्रशासन, दर्शन इतिहास, भूगोल, राजनीतिविज्ञान, प्राचीन भारत का इतिहास और संस्कृति, संगीत (भारतीय), तबला, भारतीय कलासिकल नृत्य, कला, कला का इतिहास, मिट्टी की मूर्तियाँ, गृहविज्ञान, मनोविज्ञान, डिफेंस और स्ट्रेटिजिक स्टडीज एण्ड एजुकेशन।

(v) ××× ××× ×××

(बी) कोई परिवर्तन नहीं।

(i) से (iii) ××× ×××

(iv) निम्नलिखित विषयों की हालत में अंग्रेजी अथवा हिन्दी अथवा पंजाबी अथवा उर्दू : अर्थविज्ञान, समाजविज्ञान, लोकप्रशासन दर्शन, इतिहास, भूगोल, राजनीतिविज्ञान, प्राचीन भारत का इतिहास और संस्कृति, संगीत (भारतीय), कला, गृहविज्ञान, मनोविज्ञान, डिफेंस एण्ड स्ट्रेटिजिक स्टडीज एण्ड एजुकेशन; जहाँ आवश्यकता हो, परीक्षार्थी तकनीकी शब्दावली का प्रयोग अंग्रेजी में कर सकते हैं।

(v) से (vi) ××× ×××

16. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 206 पर आदि ग्रन्थ आचार्य में डिप्लोमा के लिए विनियम

6. प्रश्नपत्र और प्रश्नों के उत्तर देने के लिए परीक्षा का माध्यम, अंग्रेजी, उर्दू, हिन्दी अथवा पंजाबी होगा।

17. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ, 274 पर मास्टर आफ एजुकेशन (एम० एड०) से संबंधित 6.3।

6.3 प्रत्येक परीक्षार्थी की उसके शोध प्रबन्ध पर आंतरिक और बाह्य परीक्षकों अर्थात् कालेज के प्रिंसिपल/विभाग के चेयरमैन द्वारा मौखिक परीक्षा ली जाएगी।

18. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 196 पर योग में बैचुलर आफ एजुकेशन के लिए विनियम 7.1 (परिवर्धन)

7.1 प्रश्नपत्र तीन भाषाओं अर्थात् हिन्दी, पंजाबी और अंग्रेजी में एक साथ सैट्ट किए जाएंगे।

7.2 कोई परिवर्तन नहीं

19. कैलेंडर, भाग II, 1988 के

(i) पृष्ठ 43-49 पर प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा

(ii) पृष्ठ 50-55 पर प्री-मैडिकल परीक्षा

(iii) पृष्ठ 56-61 पर प्री-इन्जीनियरिंग परीक्षा के लिए विनियमों का विलोपन।

20. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 100-101 में सम्मिलित सर्टिफिकेट कोर्स इन लाइब्रेरी साइंस (कारेस्पॉडेंस कोर्सिंग द्वारा) के लिए विनियमों का विलोपन।

21. शैक्षिक वर्ष 1990-91 से पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 171-73 पर पोस्ट-ग्रेजुएट कोर्स इन बाइयो-केमिस्ट्री के लिए विनियमों का विधोपन।

22. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 525-26 पर डिप्लोमा कोर्स इन इंडियन थिएटर के लिए विनियमों का विलोपन।

23. (क) शैक्षिक वर्ष 1990-91 से बैचुलर आफ फिजिकल एजुकेशन (वार्षिक पद्धति) और (ख) एम० ए० फिजिकल एजुकेशन (वार्षिक पद्धति) के लिए विनियम।

बैचुलर आफ फिजिकल एजुकेशन (वार्षिक)
के लिए विनियम

1.1 बैचुलर आफ फिजिकल एजुकेशन की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि एक वर्ष होगी।

1.2 परीक्षा साल में एक बार साधारणतया अप्रैल के महीने में मिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

1.3 परीक्षा दाखिला फार्म और 5/- रुपये की वेरी फीस के बिना और सहित फीस प्राप्त करने के लिए मिडिकेट द्वारा निश्चित अंतिम तिथि को परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित किया जाएगा।

2.1 जिस व्यक्ति ने निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा प्राप्त की है, वह इस कोर्स में दाखिल होने के योग्य होगा :

(क) कम से कम 45% अंकों से पंजाब यूनिवर्सिटी किसी भी बचुलेशन में बैचुलर/पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री;

(ख) कम से कम 45% अंकों से सिडिकेट द्वारा मान्यता प्राप्त (क) के बराबर किसी अन्य यूनिवर्सिटी से किसी भी अनुशासन में बैचुलर/पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री।

बशर्ते कि धारा (5) अथवा (ख) के अधीन दाखिल किया परीक्षार्थी उस कोर्स में दाखिले के समय, सिडिकेट द्वारा परिभाषित किए गए मानक कुशलता परीक्षण में पास हो।

2. जिस विद्यार्थी को विनियम 2.1 में निर्धारित योग्यता है, जो यूनिवर्सिटी में फिजिकल एजुकेशन विभाग अथवा बो.पी.ई. कोर्स के लिए संबद्ध कालेज में एक शैक्षिक वर्ष में शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए निश्चित कोर्स में हाजिर रहा है और वह यूनिवर्सिटी विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल द्वारा हस्ताक्षरित निम्नांकित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है, वह परीक्षा में बैठने के योग्य होगा :

(क) सदाचरण का;

(ख) परीक्षा से पहले शैक्षिक वर्ष के दौरान अपनी क्लास के लिए प्रत्येक पेपर में (i) लेक्चरों और (ii) प्रेक्टिकलों में अलग-अलग तौर पर कम से कम 66 प्रतिशत में उपस्थित रहने का; और

(ग) पांच स्थानापन्न दन्तकार्यों (Officiating assignment) के अध्यापन के अभ्यास में कम से कम 20 पर्यवेक्षित पाठों (विभिन्न शारीरिक क्रिया-कलापों, खेलों और एथलेटिक्स में कम से कम 10 पाठ स्कूलों और/अथवा कालेज में और 10 क्लास में) को पढ़ाने का।

2.3. फिजिकल एजुकेशन के यूनिवर्सिटी विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल को 15 लेक्चरों को माफ करने का अधिकार होगा।

2.4. यदि कोई परीक्षार्थी निर्धारित कोर्स को पूरा करने पर परीक्षा में नहीं बैठता अथवा परीक्षा में बैठता है परन्तु फेल हो जाता है और उसकी विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल द्वारा सकारण की जाती है, तो वह कोर्स को पूर्ण करने की तिथि में तीन सालों की अवधि में परीक्षा में बैठने के योग्य होगा।

3. परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा फीस की राशि 50/- रुपये होगी।

4. परीक्षा के प्रत्येक भाग के लिए निश्चित पाठ्यक्रम के अनुसार निम्नलिखित दो भाग होंगे :

भाग i : थियरी

भाग ii प्रेक्टिकल

5. परीक्षार्थी का माध्यम अंग्रेजी होगा।

5.1. प्रत्येक भाग में परीक्षा पास करने के लिए ओझिन न्यूनतम अंक थियरी के प्रत्येक भाग में 33 प्रतिशत और प्रत्येक

प्रेक्टिकल में 40 प्रतिशत और प्रत्येक भाग के कुल अंकों का 40 प्रतिशत होंगे।

6.2 प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा के प्रत्येक भाग अर्थात् थियरी और प्रेक्टिकलों में अलग-अलग तौर पर पास करने की आवश्यकता होगी।

6.3. जो परीक्षार्थी, परीक्षा के किसी भी भाग में फेल हो जाता है, उसे उस भाग में किसी अनुवर्ती परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी जिसमें वह फेल हुआ था, और उसे हरेक बार उतनी फीस देनी पड़ेगी जो पूर्ण परीक्षा के लिए निर्धारित की गई हो, परन्तु उसे कोर्स में नियमित रूप में उपस्थित नहीं होना पड़ेगा।

7.1 परीक्षा कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने के चार सप्ताह बाद या जब भी संभव हो, परीक्षा का परिणाम घोषित करेगा।

7.2 सफल परीक्षार्थियों का प्रत्येक भाग के लिए निम्नानुसार वर्गीकरण किया जाएगा :

(i) जो परीक्षार्थी कुल अंकों का 75 प्रतिशत प्रथम श्रेणी, अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं। वैशिष्ट्य सहित

(ii) जो परीक्षार्थी कुल अंकों का 60 प्रतिशत प्रथम श्रेणी अथवा अधिक परन्तु 75 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं।

(iii) जो परीक्षार्थी कुल अंकों का 50 प्रतिशत द्वितीय से अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं।

(iv) जो परीक्षार्थी कुल अंकों के 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं। तृतीय श्रेणी

7.3 जो परीक्षार्थी परीक्षा के सभी दो भागों में पास हो जाता है, उसे डिग्री प्रदान की जाएगी जिसमें परीक्षार्थी, द्वारा प्राप्त की गई श्रेणी को दर्शाया जाएगा।

पंजाब यूनिवर्सिटी

मास्टर आफ आर्ट्स फिजिकल एजुकेशन (वार्षिक) के लिए विनियम

1.1 मास्टर आफ आर्ट्स (फिजिकल एजुकेशन) की डिग्री के लिए कोर्स को अग्रिम दो साल की होगी।

1.2 परीक्षा के दो भाग होंगे अर्थात् भाग 1 और भाग 2 प्रत्येक भाग की परीक्षा साल में एक बार साधारणतया अग्रेज के महीने में सिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

1.3 परीक्षा दाखिल फार्म प्राप्त करने की 5/- रुपये की डेरी फीस के बिना और सहित सिडिकेट द्वारा निश्चित की गई अंतिम तारीख को परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिपूचित किया जाएगा।

2.1 जिस व्यक्ति की निम्नांकित में से कोई भी योग्यता है, वह इस कोर्स के एम० ए० भाग-1 में दाखिल होने के योग्य होगा :—

- (i) कम से कम 45 अंकों सहित पंजाब यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन की बैचुलर डिग्री;
 - (ii) कम से कम 45% अंकों सहित पंजाब यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा;
 - (iii) पंजाब यूनिवर्सिटी की सिडिकेट द्वारा ऊपर (i) और (ii) के बराबर मान्यता प्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी की डिग्री आफ फिजिकल एजुकेशन, पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिजिकल एजुकेशन और इस डिग्री/डिप्लोमा के कुल अंकों में से कम से कम 45% अंक;
 - (iv) पंजाब यूनिवर्सिटी की डिग्री प्राप्तकर्ता जिसमें कम से कम 45% अंक प्राप्त किए हों, यदि वह एक उत्कृष्ट खिलाड़ी है और उसने अंतर-यूनिवर्सिटी अथवा अंतर-राज्य अथवा राष्ट्रीय टूर्नामेंट अथवा किसी खेल में भाग लिया हो जो अंतर-यूनिवर्सिटी बोर्ड द्वारा मान्यताप्राप्त हो और एम० ए० (फिजिकल एजुकेशन) कोर्स में दाखिल होने के समय उसने मानक कुशलता परीक्षा पास कर लिया हो;
 - (v) कोई अन्य योग्यता जिसे सिडिकेट (i), (ii), (iii) अथवा (iv) के बराबर मानती है।
- बशर्ते कि (i) से (iv) धाराओं के अन्तर्गत दाखिल किया कोई भी परीक्षार्थी दाखिले समय मानक कुशलता परीक्षण में पास हो।

2.2 जिस परीक्षार्थी ने पंजाब यूनिवर्सिटी की एम० ए० (फिजिकल एजुकेशन) भाग-1 की परीक्षा पास की हो, वह भाग-II कोर्स में दाखिल होने के योग्य होगा।

3.1 जिस विद्यार्थी के पास विनियम 2.1 में निर्धारित योग्यता है और वह परीक्षा से पूर्व एक शैक्षिक वर्ष के लिए फिजिकल एजुकेशन के यूनिवर्सिटी विभाग में उपस्थित रहता है और विभाग के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है, वह भाग-1 परीक्षा में बैठने के योग्य होगा।

- (क) सदाचरण का;
- (ख) (i) दिए लेक्चरों,
- (ii) किए प्रैक्टिकलों,
- (iii) शैक्षिक वर्ष के दौरान प्रत्येक पेपर के लिए अलग-अलग लग तौर पर हुए सेमिनारों में कम से कम 66 प्रतिशत में उपस्थित होने का;
- (ग) कम से कम 20 पर्यवेक्षित पाठ पढ़ाने का [10 स्कूल और/अथवा कालेज में और 10 क्लास में—(i) एथलेटिक्स और (ii) खेलों और खेलकूद में]

3.2 वह विद्यार्थी जिसने परीक्षा से पूर्व तीन सालों में पंजाब यूनिवर्सिटी से मास्टर आफ आर्ट्स (फिजिकल एजुकेशन) की डिग्री के लिए भाग-I परीक्षा पास कर ली है और परीक्षा पूर्व एक शैक्षिक वर्ष तक यूनिवर्सिटी के फिजिकल एजुकेशन विभाग में उपस्थित रहा है और विभाग के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, वह भाग-II परीक्षा में बैठने के योग्य होगा :—

- (क) शैक्षिक वर्ष में उसकी क्लास को (i) दिए लेक्चरों और (ii) किए प्रैक्टिकलों के कम से कम 66 प्रतिशत में उपस्थित रहने का;
- (ख) विशेषीकरण के लिए एथलेटिक्स और खेलों में 20 पाठ पढ़ाने का (10 स्कूल और/अथवा कालेज में और 10 क्लास में)

3.3 लेक्चरों, प्रैक्टिकलों और सेमिनारों की कमी को निम्नानुसार माफ किया जा सकता है :—

- (i) 15 तक की कमी विभाग के अध्यक्ष द्वारा;
- (ii) 15 से 30 तक की कमी सिडिकेट द्वारा।

4. प्रत्येक भाग के लिए परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा फीस की राशि 80/- रुपये होगी।

प्राइवेट परीक्षार्थियों से 10/- रुपये की अतिरिक्त फीस वसूल की जायेगी।

5. जिस व्यक्ति ने फिजिकल एजुकेशन के यूनिवर्सिटी विभाग में भाग I/II परीक्षा के लिए निर्धारित कोर्स पूरा कर लिया है और वह फेल हो जाता है अथवा परीक्षा नहीं दे पाता, उसे कोर्स पूरा करने की तिथि से तीन साल के अन्दर अन्दर भाग I/II परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाती है।

6. जिस विद्यार्थी ने एम० ए० (फिजिकल एजुकेशन) भाग-I परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, वह विभाग अध्यक्ष की सिफारिश पर फिजिकल एजुकेशन के बोर्ड आफ स्टडीज द्वारा अनुमोदित किसी विषय पर शोध-निबंध प्रस्तुत कर सकता है। शोध-निबंध साधारणतया यूनिवर्सिटी परीक्षा के वर्ष के 15 मार्च तक प्रस्तुत किया जायेगा और इसका मूल्यांकन एक बाहरी और एक आंतरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा। परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षित अंक 40 प्रतिशत होंगे

यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा में फेल हो जाता है परन्तु शोध-प्रबंध में पास अंक प्राप्त कर लेता है, तो शोध-प्रबंध में उसके अंक शोध-प्रबंध का नये सिले से मूल्यांकन करवाए बिना उसकी इच्छा से अनुवर्ती दो साल तक आगे ले जाये जा सकते हैं। दो साल के बाद, परीक्षार्थी शोध-प्रबंध का पुनरीक्षण कर सकता है और नए मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत कर सकता है।

7.1 प्रत्येक भाग की परीक्षा के लिए उस भाग के पाठ्य-क्रम के अनुसार थियरी पेपर और प्रैक्टिकल होंगे। परीक्षार्थी अतिरिक्त वैकल्पिक विषय के रूप में 50 अंक का राष्ट्रीय सामाजिक सेवा पर पेपर भी ले सकता है। इस विषय में प्राप्त अंक उसकी

डिवीजन निर्धारित करने में नहीं जोड़े जाएंगे, परन्तु उस द्वारा इस विषय को पास कर लेने के तथ्य को उसके प्रमाणपत्र में अंकित किया जाएगा।

7.2 परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।

8.1 प्रत्येक भाग में पास होने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अंक प्रत्येक लिखित पेपर में 33 प्रतिशत, प्रत्येक प्रैक्टिकल में 40 प्रतिशत और प्रत्येक भाग के कुल अंकों में 40 प्रतिशत होंगे।

8.2 किसी परीक्षार्थी को एम० ए० भाग I/II के केवल एक पेपर में आंशिक पुनः-परीक्षा देने की अनुमति दी जायेगी, यदि वह शेष पेपरों के कुल अंकों में से 45% अंक प्राप्त करता है। जिस पेपर में वह फेल हो गया है या पेपर नहीं दे सका, उस पेपर को पास करने के उद्देश्य से उसको लगातार दो अवसर प्रदान किए जाएंगे। आंशिक पुनः-परीक्षा वाले पेपर को पास करने के लिए 33% अंक प्राप्त करने अपेक्षित होंगे।

आगे बशर्त कि एम० ए० भाग I का परीक्षार्थी जिसको एक पेपर में आंशिक पुनः-परीक्षा की अनुमति दी गई है, वह अस्थायी रूप से एम० ए० भाग-II क्लास में दाखिल होने के योग्य होगा, बशर्त कि वह पुनः-परीक्षा पेपर को आगामी दो लगातार अवसरों में पास कर सके। यदि वह ऐसा नहीं कर पाता तो उसकी उम्मीदवारी और एम० ए० भाग-II परीक्षा का परिणाम रद्द कर दिए जाएंगे।

8.3 सफल परीक्षार्थियों का वर्गीकरण उन द्वारा भाग I और भाग II परीक्षाओं में प्राप्त किए अंकों को मिला कर निम्नानुसार किया जायेगा :—

- | | |
|---|----------------|
| (क) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते हैं | प्रथम श्रेणी |
| (ख) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 50 प्रतिशत से अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं | द्वितीय श्रेणी |
| (ग) जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं | तृतीय श्रेणी |

8.4 परीक्षा समाप्त होने के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, परीक्षा कंट्रोलर परिणाम घोषित करेगा।

8.5 भाग I का प्रत्येक परीक्षार्थी परीक्षा के उस भाग को पास कर लेने का प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा।

8.6 भाग II के सफल परीक्षार्थी को डिग्री प्रदान की जाएगी जिसमें उस द्वारा प्राप्त डिवीजन को अंकित किया जाएगा।

विशेष व्यवस्था

9.1 जो परीक्षार्थी पंजाब यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में एम० ए० की डिग्री प्रदान करने के योग्य बन गया है, उसे प्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर उस पेपर/पेपरों में पुनः बैठने की अनुमति दी जा सकती है। जिनमें वह अपने पहले निष्पादन का सुधार करना चाहता हो। इस मतलब के लिए, उसे एम० ए० परीक्षा पास कर लेने की तिथि से पांच साल की अवधि के अन्दर दो अवसर

दिये जा सकते हैं। सुधार की अनुमति शोध-निबंध/शोध-प्रबंध, मौखिक परीक्षा और प्रैक्टिकलों में नहीं दी जायेगी। परीक्षार्थी से प्रति पेपर 25/- रुपये अथवा संबंधित परीक्षा के लिए निर्धारित अधिकतम दाखिला फीस, जो भी कम हो, वसूल की जायेगी।

9.2 जिस परीक्षार्थी को इस विनियम के अन्तर्गत पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जाती है, वह एक साथ भाग I और भाग II, अथवा दोनों भाग अलग अलग तौर पर अथवा भाग I या भाग II की परीक्षाएं दे सकता है; परन्तु यदि वह दोनों भाग की परीक्षाएं देने का चयन करता है, तो उसे तृतीय श्रेणी में परीक्षा पास कर लेने से पांच साल की अवधि के अन्दर परीक्षा पूर्ण कर लेनी चाहिए।

9.3 तृतीय श्रेणी प्राप्त करते समय भाग I या भाग II में प्राप्त अंकों को आगे ले जाया जा सकता है और डिवीजन में सुधार करने के उद्देश्य से दूसरे भाग के साथ मिलाया जा सकता है।

9.4 जो व्यक्ति दोनों भागों में अलग-अलग परीक्षा देना चाहता है और वह एक भाग में प्राप्त अंकों से डिवीजन में सुधार कर लेता है, उसे दूसरे भाग में पुनः-परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं है।

9.5 ऐसे परीक्षार्थी का परिणाम तभी घोषित किया जायगा यदि वह डिवीजन में सुधार कर लेता है।

10. जिस व्यक्ति को विनियम 8.1 के अधीन एम० ए० (फिजिकल एजुकेशन) भाग I की परीक्षा में पुनः-परीक्षा देने की अनुमति दी जाती है, उसके लिए मनोविनोद में प्रैक्टिकल काम के लिए कैम्प में उपस्थित होना अपेक्षित नहीं है।

24. 1991 के दाखिलों से शिक्षा के विषय में मास्टर आफ एजुकेशन (गार्डिन्स एण्ड काउंसिलिंग) और मास्टर आफ एजुकेशन (एजुकेशनल टेक्नालोजी) के लिए विनियम

मास्टर आफ एजुकेशन (गार्डिन्स एण्ड काउंसिलिंग) के लिए विनियम

1.1 मास्टर आफ एजुकेशन—एम० एड० (गार्डिन्स एण्ड काउंसिलिंग) की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि एक साल होगी।

1.2 परीक्षा साल में एक बार निम्नानुसार होगी :—

(क) थियरी पेपरों में—साधारणतया अप्रैल के महीने में।

(ख) शोध-निबंध/व्यक्तिगत और समूह काउंसिलिंग रिपोर्टों के साधारणतया मई के महीने में।

सिडिकेट द्वारा निश्चित की गई तिथियों पर होगी :—

1.3 सिडिकेट द्वारा निश्चित की गई 5/- रुपये की देरी फीस बिना/सहित परीक्षा दाखिला फार्म और फीस प्राप्त करने की अंतिम तारीख परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित की जायेगी।

2. जिस व्यक्ति की निम्नलिखित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता है, वह इस कोर्स में दाखिल होने योग्य है :—

(क) किसी भी फ़ैक्ट्री में डिग्री और इस यूनिवर्सिटी की बैचुलर आफ एजुकेशन की डिग्री;

(ख) मिडिकेट द्वारा (क) के समान मान्यता प्राप्त कोई अन्य योग्यता।

3.1 जिस विद्यार्थी के पास विनियम 2 में दी गई योग्यता है और वह यूनिवर्सिटी के शिक्षा विभाग अथवा एम० एड० (गार्डिन्स एण्ड काउंसलिंग) कोर्स के लिए यूनिवर्सिटी में सम्बद्ध कालेज में परीक्षा में पूर्व शैक्षिक वर्ष में उपस्थित रहा है और वह यूनिवर्सिटी के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष/सम्बद्ध कालेज के प्रिंसिपल द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, परीक्षा देने के योग्य होगा।

(क) सदाचरण का;

(ख) एम० एड० (गार्डिन्स एण्ड काउंसलिंग) की डिग्री के लिए प्रशिक्षण कोर्स पूरा करने का; और

(ग) उसकी क्लास को प्रत्येक पेपर में दिए लेक्चरों के पूरे कोर्स के 80 प्रतिशत लेक्चरों में उपस्थित रहने का।

3.2 लेक्चरों की अपेक्षित संख्या में कर्मी का विशेष आधार पर निम्नानुसार माफ किया जा सकता है :—

(क) 15 लेक्चरों तक—यूनिवर्सिटी विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल द्वारा।

(ख) 30 लेक्चरों तक—मिडिकेट द्वारा।

3.3 जो विद्यार्थी परीक्षा में फेल हो जाता है, या कोर्स पूरा कर लेने पर परीक्षा नहीं देता, उसे लेक्चरों का नया कोर्स करने के बिना लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जायेगी।

3.4 जो परीक्षार्थी चार लगातार अवसरों में परीक्षा में पास नहीं हो पाता, उसे परीक्षा में बैठने अथवा लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

4. परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली यूनिवर्सिटी दाखिला फीस की राशि 100/- रुपये होगी।

प्राइवेट परीक्षार्थियों से 10/- रुपये की अनिरीक्त फीस वसूल की जायेगी।

5.1 शोध-निबंध, व्यक्तिगत काउंसलिंग और समूह काउंसलिंग रिपोर्टों सहित सभी पेपरों का माध्यम अंग्रेजी होगा।

5.2 परीक्षा सीनेट द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी।

6.1 परीक्षार्थी के शोध-निबंध का विषय ऐसा होगा जो विभाग अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल की सिफारिश पर एजुकेशन के बोर्ड आफ स्टडीज द्वारा अनुमोदित किया गया हो।

6.2 प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए परीक्षकों के अनुमोदन के लिए अपने शोध-निबंध के साथ इसका संक्षिप्त मारांश देना आवश्यक होगा जिसमें परीक्षार्थी द्वारा किए अन्वेषण/शोध का विवरण (जो 500 शब्दों से अधिक नहीं होगा) दिया जाएगा।

6.3 प्रत्येक परीक्षार्थी को उसके शोध-निबंध/व्यक्तिगत और समूह काउंसलिंग रिपोर्टों में मौखिक परीक्षा ली जायेगी।

6.4 जब परीक्षार्थी परीक्षा में फेल हो जाता है परन्तु शोध-निबंध/व्यक्तिगत और समूह काउंसलिंग रिपोर्टों में पास अंक प्राप्त कर लेता है, तो वह शोध-निबंध/व्यक्तिगत और समूह काउंसलिंग रिपोर्टों का नए सिरे से मूल्यांकन करवाये बगैर अपनी इच्छा से शोध-निबंध/व्यक्तिगत और समूह काउंसलिंग रिपोर्टों के अंक अगले दो साल तक आगे ले जा सकता है। दो साल के बाद, परीक्षार्थी यदि आवश्यकता हो तो संशोधन पश्चात् शोध-निबंध/व्यक्तिगत और समूह काउंसलिंग रिपोर्टों को नए मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत कर सकता है।

7. परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अंक प्रत्येक पेपर में 33 प्रतिशत, शोध-प्रबंध/व्यक्तिगत और समूह काउंसलिंग रिपोर्टों में 40 प्रतिशत और कुल अंकों का 40 प्रतिशत होंगे।

8.1 जिस परीक्षार्थी ने एम० एड० (गार्डिन्स और काउंसलिंग) पास कर ली है, वह एक अथवा अधिक अनिरीक्त पेपर दे सकता है जो उसने पहले पास न किए हों। प्रत्येक अनिरीक्त पेपर देने के लिए परीक्षा फीस 30/- रुपये होगी, परन्तु यह फीस समूची परीक्षा के लिए निर्धारित पूरी परीक्षा फीस से अधिक नहीं होगी।

8.2 विनियम 8.1 के अन्तर्गत एक अथवा अधिक अनिरीक्त पेपर देने वाले परीक्षार्थी को उस पेपर/पेपरों में पास होने के लिए कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

9.1 परीक्षा कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने के साधारणतया चार सप्ताह बाद अथवा जब भी संभव हो, परीक्षा का परिणाम प्रकाशित करेगा।

9.2 सफल परीक्षार्थियों का वर्गीकरण निम्नानुसार किया जायेगा :—

(क) जो कुल अंकों का 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं—प्रथम श्रेणी

(ख) जो कुल अंकों का 50 प्रतिशत अथवा अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं—द्वितीय श्रेणी

(ग) जो कुल अंकों का 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं—तृतीय श्रेणी

9.3 प्रत्येक सफल परीक्षार्थी अपनी डिग्री के साथ प्रमाणपत्र भी प्राप्त करेगा जिसमें उस द्वारा प्राप्त डिग्रीज को अंकित किया जायेगा।

10.1 जिस परीक्षार्थी ने पंजाब यूनिवर्सिटी से एम० एड० गार्डिन्स एण्ड काउंसलिंग डिग्री प्राप्त करने की योग्यता प्राप्त कर ली है, उसको प्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर पेपर देने की अनुमति दी जा सकती है जिसमें वह अपने पहले निष्पादन में सुधार करना चाहता है। इस उद्देश्य के लिए, उसको एम० एड० (गार्डिन्स एण्ड काउंसलिंग) परीक्षा पास कर लेने की तिथि से पांच साल की अवधि में दो अवसर दिए जा सकते हैं।

शोध-निबन्ध/शोध-प्रबन्ध/व्यक्तिगत और समूह काउंसलिंग रिपोर्टों, मौखिक परीक्षा और प्रेक्टिकलों में सुधार के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थी से प्रत्येक पेपर के लिए 25/- रुपये की फीस, अथवा संबंधित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम दाखिला फीस, इनमें से जो भी कम हो, वसूल की जाएगी।

10.2 ऐसे परीक्षार्थी का परिणाम केवल तभी घोषित किया जाएगा जब वह अपने निष्पादन में सुधार करता है।

अस्थायी विनियम

जिस परीक्षार्थी ने एम० एड० (गार्डिडैन्स एण्ड काउंसलिंग) परीक्षा तृतीय/द्वितीय श्रेणी में पास की है, उसे प्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर अपने पहले निष्पादन को सुधारने के लिए परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है। इस उद्देश्य के लिए उसे—

- (क) यदि उसने किसी अवसर का पहले उपयोग न किया हो, तो उसके पहले निष्पादन में सुधार लाने के लिए दो अवसर दिए जा सकते हैं।
- (ख) उसके पहले निष्पादन को सुधारने के लिए एक अन्य अवसर, यदि उसने पहले एक अवसर उपयोग कर लिया है, दिया जा सकता है।

यह रियायत 1992 में होने वाली परीक्षा से शुरू होकर पांच साल के समय तक लागू रहेगी। बशर्ते कि ऐसा व्यक्ति परीक्षा में प्रथम आने की हालत में कोई तगमा/पुरस्कार प्राप्त करने के योग्य नहीं होगा।

पंजाब यूनिवर्सिटी

मास्टर आफ एजुकेशन (एजुकेशनल टेक्नालोजी) के लिए विनियम

- 1.1 मास्टर आफ एजुकेशन-एम० एड० (एजुकेशनल टेक्नालोजी) की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि एक साल होगी।
- 1.2 परीक्षा साल में एक बार सिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर निम्नानुसार होगी :—
 - (क) थियरी पेपर्स में साधारण तथा अप्रैल के महीने में; और
 - (ख) शोध-निबन्ध प्रोजेक्ट रिपोर्ट में साधारण तथा मई के महीने में।
- 1.3 सिडिकेट द्वारा निश्चित 5/- रुपये के बिना/सहित परीक्षा दाखिला फीस प्राप्त करने की अंतिम तिथि परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित की जाएगी।

जिस व्यक्ति की निम्नलिखित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता है, वह इस कोर्स में दाखिल होने के योग्य होगा;

- (क) किसी फॅकल्टी में डिग्री और यूनिवर्सिटी बेचलर आफ एजुकेशन की डिग्री भी;
- (ख) कोई अन्य योग्यताएं जिन्हें सिडिकेट (क) के बराबर मानती है।

3.1 जिस विद्यार्थी की विनियम 2 में निर्धारित योग्यताएं हैं और वह परीक्षा के पहले शैक्षिक वर्ष में यूनिवर्सिटी शिक्षा विभाग अथवा यूनिवर्सिटी से एम एड० (एजुकेशन टेक्नालोजी) कोर्स के लिए सम्बद्ध कालेज में उपस्थित रहा है और वह यूनिवर्सिटी शिक्षा विभाग के अध्यक्ष सम्बद्ध कालेज के प्रिंसिपल द्वारा हस्ताक्षरित निम्नांकित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है, वह परीक्षा देने के योग्य होगा:

- (क) सदाचरण का;
- (ख) एम० एड० (एजुकेशन टेक्नालोजी) की डिग्री के लिए प्रशिक्षण का कोर्स करने का; और
- (ग) उसकी क्लास को दिए प्रत्येक पेपर में कुल लेक्चरों में से कम से कम 80 प्रतिशत में उपस्थित रहने का।

3.2 लेक्चरों की अपेक्षित संख्या में कमी विशेष कारणों के आधार पर निम्नानुसार माफ की जा सकती है:

- (क) 15 तक यूनिवर्सिटी विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल द्वारा
- (ख) 20 तक सिडिकेट द्वारा।

3.3 जो विद्यार्थी परीक्षा में फेल हो जाता है अथवा कोर्स पूरा करने के बाद वह परीक्षा नहीं दे पाता, तो उसे लेट विभाग/कालेज विद्यार्थी के तौर पर लेक्चरों के नए कोर्स में उपस्थित हुए बिना परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती है।

3.4 जो परीक्षार्थी लगातार चार अवसरों में परीक्षा पास करने में अयोग्य रहता है, उसे परीक्षा में बैठने अथवा लेट विभाग/कालेज विद्यार्थी के तौर पर परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

4. परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा दाखिला फीस की राशि 100/- रुपये होगी। प्राइवेट परीक्षार्थी से 10/- रुपये की अतिरिक्त फीस बसूल की जाएगी।

5.1 शोध-निबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट सहित सभी पेपर्स के लिए परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।

5.2 परीक्षा सीनेट द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी।

6.1 परीक्षार्थी के शोध-निबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट का विषय ऐसा होगा जो विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल की

- मिफार्मिण पर शिक्षा के बोर्ड आफ स्टडीज़ द्वारा अनुमोदित किया गया हो।
- 6.2 प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए अपने शोध-निबन्ध/प्रोजेक्ट-रिपोर्ट के साथ परीक्षकों के अनुमोदन के लिए संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा जिसमें किए गए इस अन्वेषण/शोध का विवरण और इसकी उपलब्धियाँ (जो 500 शब्दों से अधिक नहीं होंगी) का विवरण होगा।
- 6.3 प्रत्येक परीक्षार्थी को उसके शोध-निबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर मौखिक परीक्षा दी जाएगी।
- 6.4 जब कोई परीक्षार्थी परीक्षा में फेल हो जाता है परन्तु शोध-निबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट में पास अंक प्राप्त कर लेता है तो शोध-प्रबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट में प्राप्त अंक उसकी इच्छा से शोध-प्रबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट का नया मूल्यांकन करवाए बिना आगामी दो सालों तक आगे ली जाए जा सकते हैं। दो साल पश्चात् यदि वह चाहे तो संशोधन उपरान्त शोध-प्रबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट को नए मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत कर सकता है।
7. परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अंक प्रत्येक पेपर में 30 प्रतिशत शोध-प्रबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट में 40 प्रतिशत और कुल अंकों में से 40 प्रतिशत होंगे।
- 8.1 जिस परीक्षार्थी ने इस यूनिवर्सिटी से एम० एड० (एजुकेशनल टेक्नालोजी) की परीक्षा पास की है, वह एक या अधिक पेपर दे सकता है जो उसने पहले पास न किए हों। प्रत्येक अनिश्चित पेपर देने की परीक्षा फीस 30/- रुपये होगी, परन्तु यह फीस पूरी परीक्षा के लिए निर्धारित पूरी परीक्षा फीस से अधिक नहीं होगी।
- 8.2 विनियम 8.1 के अन्तर्गत एक अथवा अधिक पेपर दे रहे परीक्षार्थी के लिए उस पेपर/पेपरों को पास करने के लिए कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अपेक्षित होंगे।
- 9.1 परीक्षा कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने के साधारणतया चार सप्ताह बाद अथवा जब भी संभव हो, परीक्षा का परिणाम प्रकाशित करेगा।
- 9.2 सफल परीक्षार्थियों का वर्गीकरण निम्नानुसार किया जायेगा :
- (क) जो कुल अंकों के 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं प्रथम श्रेणी
- (ख) जो कुल अंकों के 50 प्रतिशत या अधिक परन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं द्वितीय श्रेणी
- (ग) जो कुल अंकों के 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं तृतीय श्रेणी
- 9.3 प्रत्येक सफल परीक्षार्थी अपनी डिग्री के साथ प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा जिसमें उस द्वारा प्राप्त शिक्षा को अंकित किया जाएगा।

- 10.1 जिस परीक्षार्थी ने पंजाब यूनिवर्सिटी से एम० एड० (एजुकेशनल टेक्नालोजी) डिग्री प्रदान करने की योग्यता प्राप्त कर ली है, उसे प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में उस पेपर/पेपरों में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है जिस/जिन में वह अपने पहले निष्पादन में सुधार करना चाहता है। इस मतलब के लिए उसे एम० एड० (एजुकेशनल टेक्नालोजी) परीक्षा पास कर लेने की तिथि से पांच साल के समय के अन्दर दो अवसर दिए जा सकते हैं। शोध-निबन्ध/शोध-प्रबन्ध/प्रोजेक्ट रिपोर्ट, मौखिक परीक्षा और प्रैक्टिकलों में सुधार की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थी से 25/- रुपये प्रति पेपर के हिसाब से फीस वसूल की जाएगी, या यह फीस संबंधित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम दाखिला फीस, इनमें से जो भी कम हो, होगी।
- 10.2 ऐसे परीक्षार्थी का परिणाम केवल तभी घोषित किया जाएगा यदि वह अपने पहले निष्पादन में सुधार कर लेता है।

अस्थायी विनियम

जिस व्यक्ति ने एम० एड० (एजुकेशनल टेक्नालोजी) परीक्षा तृतीय/द्वितीय श्रेणी में पास की है, उसे अपने पहले निष्पादन में सुधार करने के उद्देश्य से प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है। इस मतलब के लिए उसे :

- (क) यदि उसने किसी अवसर का उपयोग नहीं किया तो उसे अपने पहले निष्पादन को सुधारने के लिए दो अवसर दिए जा सकते हैं।
- (ख) यदि उसने पहले ही एक अवसर का उपयोग कर लिया है तो उसे अपने पहले निष्पादन को सुधारने के लिए एक अन्य अवसर दिया जा सकता है। यह रियायत 1992 की परीक्षा से पांच साल के समय तक लागू रहेगी।

बशर्ते कि ऐसा व्यक्ति परीक्षा में प्रथम आने पर किसी तमगै/पुरस्कार को प्राप्त करने के योग्य नहीं होगा।

25. एशियन स्टडीज़ में गहन डिप्लोमा कोर्स के लिए विनियम

1.1 गहन डिप्लोमा कोर्स की अवधि एक शैक्षिक वर्ष होगी।

1.2 ये परीक्षाएं साल में एक बार साधारणतया मई के महीने में सिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होंगी।

1.3 परीक्षा शुरू होने की तिथि और सिडिकेट द्वारा निश्चित 25/- रुपये की देरी फीस के बिना या सहित परीक्षा दाखिला फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथियाँ परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित की जाएंगी।

2. जिस व्यक्ति ने निम्नांकित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है, वह इन कोर्सों में दाखिल होने के योग्य होगा :—

- (i) बोर्ड/बाडी/काउंसिल/यूनिवर्सिटी में -/- 2 परीक्षा ।
- (ii) सिडिकेट द्वारा अपर (i) के समान मान्यता-प्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी/बोर्ड की परीक्षा ।

3.1 जिस व्यक्ति की विनियम 2 में निर्धारित योग्यता है और पंजाब यूनिवर्सिटी के रजिशन विभाग के चेयरमैन/अध्यक्ष अथवा यूनिवर्सिटी से इस कोर्स के लिए सम्बद्ध कालेज के प्रिंसिपल द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, वह परीक्षा देने के योग्य होगा :

- (क) सदाचरण का;
- (ख) परीक्षा से पहले शैक्षिक वर्ष में विभाग/कालेज, जैसी भी स्थिति हो, में उपस्थित रहने का; और
- (ग) क्लास को दिए प्रत्येक पेपर में कुल लेक्चरों के 66% लेक्चरों में उपस्थित रहने का ।

3.2 लेक्चरों की अपेक्षित संख्या में कमी निम्नानुसार माफ की जा सकती है:—

- (i) विभाग के चेयरमैन/अध्यक्ष अथवा प्रिंसिपल, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा 15 लेक्चरों तक ।
- (ii) विभाग के चेयरमैन/अध्यक्ष अथवा कालेज के प्रिंसिपल, जैसी भी स्थिति हो, की सिफारिश पर डीन आफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन्स द्वारा 25 लेक्चरों तक ।

3.3 जो विद्यार्थी लेक्चरों की निश्चित संख्या में उपस्थित रहने पर, परीक्षा नहीं देता, अथवा यदि परीक्षा देता है तो फेल हो जाता है, उसे विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल, जैसा भी स्थिति हो, की सिफारिश पर प्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर कोर्स पूरा होने के तीन साल के अंदर परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती है ।

4. परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा फीस की राशि 40/- रुपये होगी । प्राइवेट परीक्षार्थी से 10/- रुपये की अतिरिक्त फीस वसूल की जाएगी ।

5.1 परीक्षा सीनेट द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी ।

5.2 परीक्षा का माध्यम संबंधित भाषा होगा ।

6. परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अंक निम्नानुसार होंगे :—

- (क) प्रत्येक थियॉरी पेपर में 40%
- (ख) मोट्रिक/प्रैक्टिकल में 40%
- (ग) कुल अंकों में से 40%

7.1 सफल परीक्षार्थियों का वर्गीकरण निम्नानुसार होगा :—

(क) जो कुल अंकों के 75% अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं । वैष्टिय

(ख) जो कुल अंकों के 60% अथवा अधिक परन्तु 75% से कम अंक प्राप्त करते हैं

...प्रथम श्रेणी

(ग) जो कुल अंकों के 50% से अधिक परन्तु 60% से कम अंक प्राप्त करते हैं । द्वितीय श्रेणी

(घ) जो कुल अंकों के 50% से कम अंक प्राप्त करते हैं । ...तृतीय श्रेणी

7.2 परीक्षा कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने के चार सप्ताह बाद अथवा जितनी जल्द संभव हो, परीक्षा का परिणाम घोषित करेगा ।

7.3 प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा जिसमें उस द्वारा प्राप्त डिग्रीज़न को अंकित किया जाएगा ।

26. नाम का परिवर्तन और पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 178-80 पर डिप्लोमा कोर्स इन कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लिकेशन्स के लिए 1, 6, 7, 10 और 15 विनियमों का संशोधन ।

कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लिकेशन्स में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रस्तावित विनियम

1. सेंटर फार कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लिकेशन्स, पंजाब यूनिवर्सिटी चण्डीगढ़, साइंस फेकल्टी में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स इन कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लिकेशन्स का प्रशिक्षण करेगा ।

6. पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स में दाखिल प्रत्येक विद्यार्थी सेंटर में दाखिल होगा और वह सिडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित फीस अदा करेगा ।

7. सलाहकार कमेटी/बोर्ड आफ कंट्रोल-पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स से संबंधित सभी मामलों, पाठ्यक्रम और परीक्षाओं की नियुक्ति के अनुमोदन के लिए समुचित बाडियों को सिफारिश करेगा ।

10. फाइनल पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स परीक्षा के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी अपना प्रार्थनापत्र सेंटर के डायरेक्टर द्वारा भेजेगा जिसके साथ निम्नांकित प्रमाणपत्र संलग्न होंगे :—

(क) कोई परिवर्तन नहीं

(ख) कोई परिवर्तन नहीं

15. प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा जिसमें थियॉरी और प्रैक्टिकलों के अंकों को अलग अलग तौर पर दिया जाएगा और उसके वैशिष्ट्य/ डिग्रीज़न को अंकित किया जाएगा ।

27. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, के पृष्ठ 306 पर मास्टर आफ इन्जीनियरिंग के शोध-प्रबन्ध के प्रस्तुतीकरण से संबंधित विनियम 7.3.

7.3 (ख) कोई परिवर्तन नहीं ।

आगे ब्रणर्ते कि ऊपर वर्णित सीमा के बाद विस्तार की, जो दो साल से अधिक नहीं होगा, विभाग के अध्यक्ष/प्रिंसिपल, जैसी भी स्थिति हो, की सिफारिश पर कुलपति द्वारा अनुमति दी जा सकती है ।

28. 1990 के दाखिले से लागू मास्टर आफ फार्मेसी के लिए विनियम

1. मास्टर आफ फार्मेसी की डिग्री के लिए प्रशिक्षण कोर्स की अवधि अठारह महीने होगी और इसके तीन सिमेस्टर होंगे ।

2. जिम व्यक्ति के पास प्रामाणिक गेट स्कोर है और उसने निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है, वह मास्टर आफ फार्मेसी कोर्स के पहले सिमेस्टर में दाखिल होने के योग्य होगा ।

3. (क) पंजाब यूनिवर्सिटी की बी० फार्मेसी परीक्षा ;

(ख) सिडिकेट द्वारा (क) के समान मान्यताप्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी की परीक्षा ।

3.1 परीक्षा के तीन सिमेस्टर होंगे :

सिमेस्टर I छः महीने की शैक्षिक अवधि की समाप्ति पर जिसमें थिअरी और लेबोरेटरी कोर्स सम्मिलित होंगे ।

सिमेस्टर II छः महीने की दूसरी शैक्षिक अवधि की समाप्ति पर जिसमें थिअरी कोर्स और सेमिनार का प्रस्तुतीकरण सम्मिलित होगा ।

सिमेस्टर III पहले सिमेस्टर की समाप्ति पर अलाट किए शोध प्रोजेक्ट पर शोध-प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण और इस कार्य का सेमिनार पर प्रस्तुतीकरण ।

3.2 प्रत्येक सिमेस्टर के लिए परीक्षार्थी द्वारा अदा की जाने वाली परीक्षा फीस की राशि समय-समय पर सिडिकेट द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

3.3 परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा ।

4.1 एम० फार्म० सिमेस्टर I और सिमेस्टर II की परीक्षा साधारणतया क्रमशः जनवरी/फरवरी और जुलाई/अगस्त में सिडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी । अनुपूरक परीक्षा साधारणतया प्रत्येक सिमेस्टर की परीक्षा का परिणाम घोषित होने के एक महीना बाद होगी ।

4.2 एम० फार्म० सिमेस्टर I और सिमेस्टर II परीक्षाओं के शुरू होने की तिथि और सिडिकेट द्वारा निश्चित देरी फीस के बिना/सहित परीक्षा दाखिला फार्म और फीस प्राप्त करने की तिथि को परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित किया जाएगा ।

4.3(क) एम० फार्म० सिमेस्टर I की परीक्षा में दो थिअरी पेपर और दो प्रैक्टिकल सम्मिलित होंगे । मार्डन एनालिटिकल एण्ड फार्मास्यूटिकल टेक्नीक्स पर एक पेपर और इसका प्रैक्टिकल प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए अनिवार्य होंगे और दूसरा थिअरी पेपर और प्रैक्टिकल निम्नलिखित समूहों ए, बी, सी अथवा डी में से होगा ।

सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य कोर्स

1. मार्डन एनालिटिकल एण्ड फार्मास्यूटिकल टेक्नीक्स एक पेपर

2. प्रैक्टिकल समूह-ए (फार्मास्यूटिक्स) एक पेपर

पेपर I : फिजिकल फार्मास्यूटिक्स एण्ड फार्मास्यूटिकल टेक्नालोजी

प्रैक्टिकल : फार्मास्यूटिक्स लेबोरेटरी

समूह-बी (फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री)

पेपर I : अडवांस्ड आर्गेनिक केमिस्ट्री

प्रैक्टिकल : फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री लेबोरेटरी

समूह-सी (फार्माकालोजी)

पेपर I : अडवांस्ड फार्माकोगोन्सी

प्रैक्टिकल : फार्माकोगोन्सी लेबोरेटरी

समूह-डी (फार्माकालोजी)

पेपर I : क्लिनिकल फार्माकालोजी एण्ड ड्रग थरेपी

प्रैक्टिकल : फार्माकालोजी लेबोरेटरी

(ख) एम० फार्म० सिमेस्टर II की परीक्षा में दो थिअरी पेपर निम्नलिखित समूहों ए, बी, सी अथवा डी में से होंगे और सौंपे गए शोध क्षेत्र से संबंधित सेमिनार सम्मिलित होंगे । शोध के लिए विषय दूसरे सिमेस्टर के आरम्भ में ही सौंप दिए जाएंगे और शोध के विषय से संबंधित सेमिनार का प्रस्तुतीकरण भी परीक्षा का एक भाग होगा ।

समूह-ए (फार्मास्यूटिक्स)

पेपर II : अडवांस्ड फार्माकाकिनेटिक्स एण्ड बायोफार्मास्यूटिक्स

पेपर III : फार्मास्यूटिकल बायोटेक्नालोजी

समूह-बी (फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री)

पेपर II : केमिस्ट्री आफ नेचुरल प्राइड्स

पेपर III : मेडिसिनल केमिस्ट्री

समूह-सी (फार्माकालोजी)

पेपर II : ड्रग कल्टिवेशन

पेपर III : ड्रग मानकीकरण

समूह-डी (फार्माकालोजी)

पेपर II : ड्रग मूल्यांकन एण्ड अडवांस्ड फार्माकालोजिकल टेक्नीक्स

पेपर III : फार्मास्यूटिकल में हाल ही में हुई प्रगति ।

4. 4. जिस विद्यार्थी की विनियम 2 में निर्धारित योग्यताएं हैं और वह फार्मास्यूटिकल साइंसिज के यूनिवर्सिटी विभाग में दाखिल रहा है, और वह विभाग के चेयरमैन से निम्नांकित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करता है, वह एम० फार्म०, सिमेस्टर I और II की परीक्षाओं में बैठने के योग्य है ।

(क) संचालन का ;

(ख) कम से कम एक घंटा प्रति सप्ताह पढ़ाए जाने वाले कोर्स के दस संपर्क लेक्चरों, दो घंटे प्रति सप्ताह पढ़ाए जाने वाले 20 संपर्क लेक्चरों, तीन घंटे प्रति सप्ताह पढ़ाए जाने वाले 30 संपर्क लेक्चरों आदि और अनिवार्य कोर्स और विशेषीकरण के मुख्य क्षेत्र के कोर्स/कोर्सों दोनों के कम से कम 20 प्रैक्टिकल प्रति सिमेस्टर में उपस्थित रहने का ;

4. 5. थिअरी में प्रश्नपत्र तैयार करने और उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन बोर्ड आफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज इन फार्मास्यूटिकल साइंसिज द्वारा नियुक्त परीक्षकों द्वारा किया जाएगा ।

4. 6 लेबोरेटरी कोर्स के लिए प्रैक्टिकल परीक्षा आंतरिक और बाहरी परीक्षकों दोनों द्वारा मिलकर की जाएगी ।

4. 7 दूसरे सिमेस्टर में दिए जाने वाले सेमिनार का मूल्यांकन चार परीक्षकों के पैनल द्वारा किया जाएगा जिसमें चेयरमैन, पर्यवेक्षक और विभाग की अन्य दो विशेषताओं में से पोस्टग्रेजुएट स्टडीज इन फार्मास्यूटिकल साइंसिज के बोर्ड द्वारा नियुक्त दो फैकल्टी सदस्य सम्मिलित होंगे ।

4. 8 प्रत्येक थिअरी पेपर और प्रत्येक प्रैक्टिकल पेपर 100 अंकों का होगा I सेमिनार का मूल्यांकन ओ-एफ ग्रेडों* के आधार पर किया जाएगा । एम० फार्म० II, सिमेस्टर I और II में क्रमशः अलग-अलग तौर पर पास होने के लिए अपेक्षित अंक निम्नानुसार होंगे :—

(क) सभी थिअरी पेपर्स के कुल अंकों में 50 प्रतिशत ;

(ख) प्रैक्टिकल पेपर में 50 प्रतिशत ; और

(ग) सेमिनार में बी (-) ग्रेड

ओ	+	+	+	100 प्रतिशत
ओ				80 प्रतिशत
ए				70 प्रतिशत
*ग्रेड (अंक) बी +				60 प्रतिशत
बी				55 प्रतिशत
बी (-)				50 प्रतिशत
एफ				0

4. 9 यदि कोई परीक्षार्थी एम० फार्म० सिमेस्टर I अथवा II में फेल हो जाता है परन्तु एक या अधिक थिअरी पेपर्स अथवा प्रैक्टिकल अथवा सेमिनार में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त कर लेता है, उसे ऐसे पेपर में पुनः परीक्षा देने में छूट दी जा सकती है ।

परीक्षार्थी पुनः परीक्षा देने समय प्रत्येक परीक्षा के लिए प्रति विषय 25/- रुपए की दाखिला फीस देगा, परन्तु यह फीस सम्बन्धित परीक्षा के लिए निर्धारित अधिकतम फीस से अधिक नहीं होगी ; और दूसरी परीक्षा के लिए वसूल की जानी वाली दाखिला फीस में रि-अपियर के लिए दाखिला फीस अलग होगी ।

4. 10 जिस परीक्षार्थी की जनवरी और जुलाई में होने वाली सिमेस्टर I और सिमेस्टर II की परीक्षा के लिए लेक्चरों और प्रैक्टिकल में उपस्थिति की संख्या कम है, वह इस कमी को पूरा कर सकता है और सम्बन्धित अनुपूरक परीक्षा दे सकता है ।

5. 1 जो परीक्षार्थी विनियम 4. 3/4. 4 में निर्धारित किए गए अनुसार एम० फार्म० सिमेस्टर I और II के लिए प्रशिक्षण का कोर्स करने के बाद सभी या किसी एक पेपर में परीक्षा नहीं देता अथवा जो सभी या किसी एक पेपर में फेल हो जाता है, उसे उसकी पात्रता की तिथि से आगामी लगातार तीन परीक्षाओं में बैठने की अनुमति दी जा सकती है । यदि कोई परीक्षार्थी इस तरह दिए गए चार लगातार अवसरों में परीक्षा पास नहीं कर पाता, उसे मास्टर आफ फार्मैसी की डिग्री के लिए पढ़ाई जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी । उच्च परीक्षा का परिणाम उतनी देर घोषित नहीं किया जाएगा जितनी देर उसकी निम्न परीक्षा का परिणाम नहीं निकल जाता ।

5. 2 एम० फार्म० के तीसरे सिमेस्टर की परीक्षा में शोध प्रबन्ध और विभाग के चेयरमैन द्वारा निश्चित तिथि पर सेमिनार में इसका प्रस्तुतीकरण सम्मिलित होगा । बाहरी परीक्षक, अध्यापन स्टाफ के सदस्य और विभाग के शोध विद्यार्थी शोध-प्रबन्ध में भाग लेंगे ।

5. 3 शोध-प्रबन्ध का विषय फार्मास्यूटिकल साइंसिज में पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज के बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाएगा । प्रत्येक विद्यार्थी अपने शोध-प्रबन्ध की तीन टाईप की [हुई/ रिप्रोग्राफ्ड प्रतियां प्रस्तुत करेगा जिसमें उस द्वारा की गई शोध के परिणाम सम्मिलित किए जाएंगे । यह शोध-प्रबन्ध विनियम 3. 1 में दिए कोर्स की अवधि समाप्त होने अथवा एम० फार्म० के I और II सिमेस्टर पास कर लेने, इनमें से जो भी बाद में हो, के तीन महीने के अन्दर प्रस्तुत करना होगा ।

बशर्ते कि डीन आफ यूनिवर्सिटी इन्सपेक्शन शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत करने में अधिक से अधिक तीन महीनों का समय विस्तार कर सकता है ।

5. 4 सिमेस्टर III परीक्षा के लिए शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन एक बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिसमें बाहरी परीक्षक, परीक्षार्थी का शोध पर्यवेक्षक और विभागाध्यक्ष शामिल होंगे जो शोध-प्रबन्ध के मारसल्ट, इसके प्रस्तुतीकरण और इस पर हुए विचार-विमर्श के आधार पर इसका मूल्यांकन करेंगे ।

5.5 जिस परीक्षार्थी का सिमेस्टर III परीक्षा का शोध-प्रबन्ध रद्द कर दिया गया है उसे परिणाम की घोषणा की तिथि से तीन महीने के समय के बाव संशोधित शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत करने की अनुमति दी जा सकती है, परन्तु यह तिथि शोध-प्रबन्ध की पहली प्रस्तुति के एक साल से अधिक नहीं होगी।

6.1 सिमेस्टर I और III परीक्षाओं के सफल परीक्षार्थियों का निम्नानुसार वर्गीकरण किया जाएगा :

- (क) जो 80 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते हैं। थ्रेशोल्ड
- (ख) जो 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते हैं। पहली श्रेणी
- (ग) जो 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त कर हैं। दूसरी श्रेणी

6.2 सिमेस्टर III परीक्षा के लिए शोध-प्रबन्ध का श्रेणीकरण पहली श्रेणी अथवा दूसरी श्रेणी में किया जाएगा। इस तरह प्राप्त श्रेणी को अलग करके अंकित किया जाएगा।

6.3 सफल परीक्षार्थियों की सापेक्ष योग्यता I और II सिमेस्टरों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

7. परीक्षा कंट्रोलर परीक्षा के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके परिणाम अधिसूचित करेगा।

29. बी० ए०/बी० एस० सी० (जर्नल और आनर्ज) परीक्षा के लिए विनियम 4.1, 4.2 और 7; इन विनियमों को 1990 के दाखिलों से लागू करना है और बाद के विनियमों को तबनुसार संख्याकित करना है (संगोष्ठन/परिवर्धन)

4.1 जिस व्यक्ति ने अंग्रेजी के एक विषय सहित निम्नांकित परीक्षाएं पास कर ली हैं, वह यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध किसी कालेज में बी० ए० अथवा बी० एस० सी० (जर्नल और आनर्ज) डिग्री कोर्स के पहले साल में दाखिल होने के योग्य होगा।

4.2 जिस विद्यार्थी की किसी बोर्ड/बाडी/आउंसिल/यूनिवर्सिटी द्वारा ली गई +2 परीक्षा में किसी एक विषय में कम्पार्टमेंट आई हो, वह भी शिक्षा की 10+2+3 पद्धति के अन्तर्गत बी० ए०/बी० एस० सी० कोर्स के पहले साल में दाखिल होने के योग्य होगा बशर्ते कि:

- (1) जो परीक्षार्थी बी० ए० पहले साल की क्लास में दाखिल होना चाहता है, उसे +2 परीक्षा में सभी विषयों के कुल अंकों में से कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने चाहिए (जिसमें कम्पार्टमेंट के विषय, थिअरी और प्रैक्टिकल/प्रैक्टिकलों के कुल अंकों में से उस द्वारा प्राप्त अंक सम्मिलित होंगे।

(II) जो परीक्षार्थी बी० एस० सी० पहले साल की क्लास में दाखिल होना चाहता है, उसे उस द्वारा +2 परीक्षा में लिए सभी विषयों के कुल अंकों में से कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने चाहिए (जिनमें कम्पार्टमेंट के विषय, थिअरी और प्रैक्टिकल/प्रैक्टिकलों में प्राप्त किए कुल अंक सम्मिलित किए जाएंगे)।

7. पहले/दूसरे/तीसरे साल की परीक्षा वह विद्यार्थी दे सकेगा जिसने—

(क) एक शैक्षिक वर्ष पहले विनियम 4.1 में निर्धारित अर्हक परीक्षा पास की हो।

कम्पार्टमेंट परीक्षार्थी की हालत में जो बी० ए०/बी० एस० सी० कोर्स में दाखिल होने के योग्य है, एक शैक्षिक वर्ष का समय उस परीक्षा से गिना जाएगा जिसमें परीक्षार्थी की कम्पार्टमेंट आई हो। जिस परीक्षार्थी की कम्पार्टमेंट आती है +2 में उस विषय में फेल हो जाता है, उसे निम्नांकित शर्तों के अधीन बी० ए०/बी० एस० सी० में दाखिल होने की अनुमति दी जा सकती है :—

परीक्षार्थी का दाखिला विनियम 4.2 के अधीन अस्थाई होगा और इसे तभी स्थायी बनाया जाएगा जब तक वह अपने मूल बोर्ड/बाडी/काउंसिल/यूनिवर्सिटी से अपने दाखिले के बाद दो लगातार अवसरों में कम्पार्टमेंट का विषय पास नहीं कर लेता। यदि वह उसको प्रदान किए दो लगातार अवसरों में कम्पार्टमेंट के विषय में पास नहीं हो जाता, उसका बी० ए०/बी० एस० सी० के पहले साल में अस्थाई दाखिला रद्द समझा जाएगा।

30. ओ० टी०/एम० आई० एल० परीक्षाएं पास कर लेने के बाद बी० ए० डिग्री प्रदान करने के लिए विनियम।

2.1 जिस परीक्षार्थी ने भारत में मान्यता प्राप्त/बोर्ड/बाडी/काउंसिल/यूनिवर्सिटी से +2 परीक्षा पास की है और ओरिएण्टल क्लासिकल भाषा अथवा आधुनिक भारतीय भाषा में आनर्ज परीक्षा 1948 से पहले पंजाब यूनिवर्सिटी में लाहौर या पंजाब यूनिवर्सिटी से पास की है अथवा किसी अन्य यूनिवर्सिटी की कोई परीक्षा पास की है जिसे ऊपर वर्णित परीक्षा के समान माना गया है उसे स्ट्रीम बी के अन्तर्गत बी० ए० (जर्नल) कोर्स के सभी तीन सालों में अंग्रेजी (प्रेषण कौशल के रूप में भाषा) और अन्य दो वैकल्पिक विषयों (उम् विषय को छोड़कर जिसमें उन्होंने आनर्ज परीक्षा पास की है) में

परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है। तीसरे साल में, यदि वह ऐसा चाहता है, वह तीन-साला कोर्स के पहले साल और दूसरे साल में पहले ही किए दो वैकल्पिक विषयों में से एक की जगह जर्नल साइंस एण्ड सांख्यिकीय मेथड अथवा कम्प्यूटर साइंस का विषय ले सकता है।

2.2 जो परीक्षार्थी इस विनियम के अन्तर्गत परीक्षाएं देना चाहता है, वह निर्धारित दाखिला फार्म और फीस के प्रस्तुतिकरण पर सम्बन्धित बी० ए० पहला साल, दूसरा साल और तीसरे साल की परीक्षाएं अप्रैल में वार्षिक परीक्षा में देगा।

2.3 जो परीक्षार्थी इन विनियमों के अन्तर्गत परीक्षा देता है, वह कम्पार्टमेंट में रखे जाने का पात्र होगा यदि वह अंग्रेजी (प्रेषण कौशल के तौर पर भाषा) अथवा उस द्वारा लिए किसी अन्य विषय में 20 प्रतिशत अंक प्राप्त करना है और कुल अंकों में से कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करता है। ऐसा परीक्षार्थी अनुवर्ती सितम्बर/अप्रैल परीक्षा में कम्पार्टमेंट पास करने के लिए दो लगातार अवसर ले सकेगा, और यदि वह कम्पार्टमेंट की परीक्षा में पास नहीं होता, उसका बी० ए० पहले साल, दूसरे साल, तीसरे साल का परिणाम, जैसी भी स्थिति हो, रह समझा जाएगा।

2.4 जो व्यक्ति विनियम 2.1 में दिए गए अनुसार परीक्षाएं पास कर लेता है, उसे बी० ए० की डिग्री प्रदान की जाएगी, परन्तु उसमें किसी डिग्रीजन का वर्णन नहीं किया जाएगा।

3. परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली दाखिला फीस की राशि वही होगी जो बी० ए० पहला साल/दूसरा साल/तीसरा साल परीक्षाओं के लिए निर्धारित की गई है।

4. कोई परिवर्तन नहीं।

6. इन विनियमों के अधीन परीक्षाएं देने वाला परीक्षार्थी, सभी उद्देश्यों के लिए, जो इन विनियमों में वर्णित नहीं किए गए, सम्बन्धित परीक्षा के लिए विनियमों द्वारा शासित होगा।

32. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेण्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 465-68 पर निम्नांकित में डिप्लोमों से सम्बन्धित विनियम 1.1, 3.1 और 7.1 :—

- (I) गायनेकालोजी एण्ड आबस्टेट्रिक्स (डी० जी० ओ०)
- (II) क्लिनिकल पैथोलोजी (डी० सी० पी०)
- (III) एनेस्थीजियोलोजी (डी० ए०)

(IV) चाइल्ड हेल्थ (डी० सी० एण०)

(V) ट्यूबरकुलोसिस एण्ड चेस्ट डिजीज (डी० टी० सी० डी०)

(VI) डरमाटोलोजी जिसमें वेनरियल डिजीज और लेप्रोसी सम्मिलित है

(VII) इम्यूनेमेटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रांसफ्यूजन,

1.1 निम्नलिखित परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण कोर्स की अवधि दो शैक्षिक वर्ष होगी :—

(I) से (VII) × × × × × ×

3.1 कोई परिवर्तन नहीं।

(क) कोई परिवर्तन नहीं।

(ख) कालेज/संस्था में दो शैक्षिक वर्षों के लिए दाखिल रहने का;

(ग) अतिरिक्त आवश्यकताएं: (ग) विलोपित समझा जाए।

(I) (III), (IV), (V), (VI) और (VII) में डिप्लोमों के लिए—

एम० बी० बी० एस० परीक्षा पास कर लेने के बाद निम्नलिखित में काम करने का—

(I) कम से कम एक साल के लिए किसी मान्यता प्राप्त अस्पताल में हाउस जॉब में (इंटर्नशिप अथवा रोटेटिंग हाउस जॉब को नहीं माना जाएगा) जिसमें छः महीने सम्बन्धित विषय में होंगे :—
अथवा

(II) तीन साल के लिए मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया द्वारा अनुमोदित अस्पताल में इंटर्नशिप प्रशिक्षण के लिए

अथवा

(III) पांच साल के लिए स्टेट मेडिकल सर्विसेज, आर्मेड फोर्ससेज मेडिकल सर्विसेज अथवा अन्य समान सर्विसेज में।

बशर्ते कि पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थी के तौर पर विभाग में परीक्षार्थी द्वारा किया पूर्णकालिक अतिरिक्त काम हाउसमैनशिप के तुल्य होगा।

(II) में डिप्लोमा के लिए डिप्लोमा कोर्स में दाखिल होने में पहले कम से कम छः महीने के लिए हाउस जॉब अथवा पैथोलोजी के अध्यापन विभाग में काम करने का अथवा तीन साल के लिए इंटर्नशिप परीक्षण के लिए मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया द्वारा अनुमोदित अस्पतालों में काम करने का अथवा

पांच साल के लिए स्टेट मेडिकल सर्विसेज या आमर्ड फोर्सिज मेडिकल सर्विसेज या अन्य समान सर्विसेज में काम करने का।

बशर्ते कि पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थी के तौर पर विभाग में एक साल का पूर्ण कालिक अतिरिक्त काम हाऊसमैनशिप के समान होगा।

7.1 जो परीक्षार्थी पहली बार में ही परीक्षा पास कर लेता है और कुल अंकों का 80 प्रतिशत प्राप्त करता है, उसे "वैशिष्ट्य" सहित पास हुआ घोषित किया जाएगा।

7.1 जो परीक्षार्थी पहली बार में ही परीक्षा पास कर लेता है और कुल अंकों का कम से कम 80 प्रतिशत प्राप्त करता है, उसे "वैशिष्ट्य" सहित पास हुआ घोषित किया जाएगा।

33. पंजाब यूनिवर्सिटी केलेण्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 470-473 पर निम्नांकित में डिप्लोमों से सम्बन्धित विनियम 1.1, 3.1

- (I) मेडिकल रेडियोलोजी (डी० एम० आर०)
- (II) नेरिगालोजी और आटोलोजी (डी० एल० ओ०) और
- (III) आपथेल्पिक मेडिसीन एण्ड सर्जरी (डी० ओ० एम० एस०)

1.1 निम्नलिखित परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण के कोर्स की अवधि दो शैक्षिक वर्ष होगी :—

- (I) में (III)
- 3.1 कोई परिवर्तन नहीं।
- (क) कोई परिवर्तन नहीं।
- (ख) एम० बी० बी० एस० पास कर लेने के बाद निम्नांकित में काम करने का :—
- (1) कम से कम एक साल के लिए किसी मान्यता प्राप्त अस्पताल में हाउस जाब में (इन्टर्नशिप या रोटेटिंग जाब को नहीं माना जाएगा) जिसमें कम से कम छः महीने संबंधित विषय में होंगे;

अथवा

- (II) तीन साल के लिए इन्टर्नशिप के लिए प्रशिक्षण के लिए मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया द्वारा अनुमोदित किसी अस्पताल में;

विलोपित समझा जाए

अथवा

- (III) पांच साल के लिए स्टेट मेडिकल सर्विसेज, आमर्ड फोर्सिज मेडिकल सर्विसेज अथवा अन्य समान सर्विस में, बशर्ते कि पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थी के तौर पर विभाग में परीक्षार्थी द्वारा साल

का पूर्णकालिक अतिरिक्त काम हाऊसमैनशिप के समान होगा।

विलोपित समझा जाए

- (ग) प्रशिक्षण का निर्धारित कोर्स (ख) कोई परिवर्तन नहीं।

कर लेने के बाद डी० एम०

आर० के लिए अतिरिक्त आवश्यकताएं

- (I) तीन महीने के लिए मेडिकल रेडियोलोजी के लिए प्रयुक्त फिजिक्स में प्रशिक्षण का अंशकालिक कोर्स करने का; और

- (II) ऊपर (I) के साथ रेडियो-लाजी विभाग के अध्यक्ष की संतुष्टि होने तक डिप्लोमा इन मेडिकल रेडियोलोजी के लिए इन यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध किसी मेडिकल कालेज से सम्बद्ध अध्यापन अस्पताल के रेडियोलोजी विभाग में दाखिल रहने का।

34. कैलेण्डर, भाग II, 1988 के पृष्ठ 296 पर योग में बेचुलर आफ एजुकेशन के लिए विनियम 6.2

6.2 (क) प्रत्येक कालेज भाग I (थिअरी), भाग II

(कौशल और पराक्रम) और भाग III (लेबोरेटरी टेक्नीको में माप में परीक्षण) के लिए कम से कम दो हाउस टेस्ट लेगा। जो परीक्षार्थी प्रत्येक थिअरी पेपर/पेपरों और प्रैक्टिकल/प्रैक्टिकलों (सभी परीक्षाओं को मिलाकर) में 30 प्रतिशत से कम से कम अंक प्राप्त करता है, उसे यूनिवर्सिटी परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे केसों के बारे में सूचना परीक्षा (योग थिअरी में बी० एड०) शुरू होने से कम से कम 10 दिन पहले कालेज प्रिंसिपल द्वारा यूनिवर्सिटी को प्रदान की जाएगी।

किसी भी पेपर/पेपरों अथवा भाग/भागों में हाउस टेस्टों में अर्हक अंक (30 प्रतिशत) न प्राप्त कर सकने की हालत में परीक्षार्थी को अगस्त के महीने में सम्बन्धित कालेज द्वारा इन पेपर/पेपरों अथवा भाग/भागों में लिए जाने वाले विशेष टेस्ट देना होगा। यदि ऐसे परीक्षार्थी अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उनको अनुपूरक परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी। यदि वे विशेष टेस्ट में फेल हो जाते हैं, तो वे ये हाउस टेस्ट आगामी सेशन के नियमित विद्यार्थियों के साथ ही देंगे।

6.2 (ख) यदि कोई परीक्षार्थी कालेज/संस्था द्वारा लिए हाऊस टेस्टों में से किसी एक टेस्ट को नहीं दे पाता, तो प्रिंसिपल/डायरेक्टर को उसका नाम यूनिवर्सिटी परीक्षा से निकालने का अधिकार होगा।

एस० पी० धवन,
डिप्टी रजिस्ट्रार, (जनरल,)

बण्डीगढ़-160014

दिनांकित 12-अक्टूबर, 1992

मेरी उपस्थिति में आज सोमवार 12 अक्टूबर, 1992 को पंजाब यूनिवर्सिटी की सामान्य मुहर द्वारा मुहरबन्द।

बी० एल० गुप्ता,
रजिस्ट्रार

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS AND
DEVELOPMENT

Bombay-400 005, the 8th October 1992

No. BC. 36/12.02.001/92.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 24 of Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) and in partial modification of its notification DBOD. No. BC. 91/12.02.001/92 dated March 3, 1992 the Reserve Bank of India hereby specifies that every scheduled commercial Bank, other than a Regional Rural Bank, shall maintain in India assets in the form specified in sub-section (2A) of Section 24 on the outstanding net demand and time liabilities (excluding FCNR and NRE deposits) upto the level of such liabilities as on April 3, 1992 as indicated below :

Effective date (i.e. Statutory liquidity ratio on net dem and fortnight beginning and time liabilities (excluding FCNR from) and NRE deposits) out standing as on April 3, 1992 (percent)

January 9, 1993	38.25
February 6, 1993	38.00
March 6, 1993	37.75

Kum. V. VISVANATHAN
Executive Director

No. BC. 37/12.01.001-92.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 the Reserve Bank of India hereby specifies that one-third of the additional cash balances maintained by Banks under the 10 per cent incremental cash reserve ratio (CRR) based on the level of net demand and time liabilities upto April 17, 1992 in terms of its notifications DBOD. No. Ret. BC. 120/C. 96 (Ret)-91 dated May 3, 1991 and DBOD. No. 120/12.01.001-92 dated April 21, 1992 be released in three equal instalments in the fortnights beginning October 17, 1992, November 14, 1992 and December 12, 1992.

Kum. V. VISVANATHAN,
Executive Director

PUBLIC DEBT OFFICE

Madras-600 001, the 14th September 1992

No. Advt./III/IV/245/92.—In pursuance of Regulation 10 of Industrial Finance Corporation (Issue of Bonds) Regulations 1949 made under Section 43 of Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the following list (for the half-year ended 30th June 1992) is hereby advertised of securities lost, etc. in respect of which prima facie ground s exist for believing that the securities have been lost and that the claim of the applicant is just. All persons other than the claimant named against each who have any claim upon the securities should communicate immediately with the Manager, Reserve Bank of India, Public Debt Office, Madras. The list has been divided into 2 parts.—Part 'A' being securities now advertised for the first time and Part 'B' the list of securities previously advertised.

LIST 'A'

—N I L—

LIST 'B'

Nomenclature	Security No.	Value Rs.	In whose name issued	From what date bearing int.	Name of the claimant for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. and date of orders issued	Date of first publication
11% IFC Bonds 2001 (45th Series)	MS 000029	10,00,000/-	Reserve Bank of India	25-5-1988	Bank of Thanjavur Ltd., Thanjavur	Jt. Manager's diary No. 70 dt. 13-12-89 (IN 2611).	8-9-1990
11% IFC Bonds 2002 (47th Series)	MS 000017	5,00,000/-					
	MS 000018	5,00,000/-					
	MS 000019	5,00,000/-	Do.	27-5-1988	Do.	Do.	"
	MS 000020	5,00,000/-					
	MS 000021	5,00,000/-					
11% IFC Bonds 2002 (48th Series)	MS 000040	10,00,000/-					
	MS 000041	10,00,000/-					
	MS 000042	10,00,000/-					
	MS 000043	10,00,000/-	Do.	24-5-1988	Do.	Do.	"
	MS 000044	10,00,000/-					
	MS 000045	10,00,000/-					
	MS 000046	10,00,000/-					

D. S. RAMACHANDRA RAJU
Manager

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE

Bombay, the 14th October 1992

NOTICE

No. SBD/002326.—In terms of Section 29 (1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India, after consulting the Board of Directors of State Bank of Bikaner & Jaipur and with the approval of the Reserve Bank of India, have appointed Shri Supriya Gupta as Managing Director of State Bank of Bikaner & Jaipur for a further period of one year from the 17th October 1992 to 16th October 1993 (both days inclusive).

By Orders of the Executive Committee of Central Board.

Sd/- Illegible
Dy. Managing Director
(Associate Banks)

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 29th September 1992

No. U-16/53/89-Med. II (Karnat.).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation, at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1959, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024 (G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. S. M. Shivanna of Mysore to function as Medical Authority from 1-10-1992 to 30-9-1993, or till a Full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Mysore Centre at a monthly remuneration as per existing norms, for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

Dr. (Mrs.) A. A. AMBEKAR.
Medical Commissioner

The 5th October 1992

No. U-16/53/85-Med. II (Orissa).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024 (G) dated 23-5-1983, I hereby authorise the Superintendent, ESI Hospital, J. K. Pur to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date he assume charge for one year, or till a full-time Medical Referee joins whichever is earlier, for J. K. Pur Centre, for areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (South East Zone), Bhubaneswar for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

Dr. (Mrs.) A. A. AMBEKAR.
Medical Commissioner

The 13th October 1992

No. U-16/53/1/90-Med. II (Maha) Col. III.—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation, at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024 (G), dated 23-5-83, I hereby authorise Dr. B. R. Choudhury, PTMR Ichalkaranji to function as Medical Authority for further one year i.e. from 18-7-92 to 17-7-93 or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier for Ichalkaranji at a monthly remuneration in accordance with the existing norms for the purpose of medical examination of the insured persons and grant

of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

Dr. (Mrs.) A. A. AMBEKAR,
Medical Commissioner

The 14th October 1992

No. U-16/53/90-Med. II (A.P.).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation, at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024 (G), dated 23-5-83, I hereby authorise Dr. P. S. R. K. Prasad to function as Medical Authority for further one year i.e. from 1-10-92 to 30-9-93 or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier for Nellore area at a monthly remuneration in accordance with the existing norms for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

Dr. (Mrs.) A. A. AMBEKAR,
Medical Commissioner

New Delhi, the 12th October 1992

No. N-15/13/4/1/92-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-10-92 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Himachal Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1977 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Himachal Pradesh namely :—

"Area comprising the revenue village Chakka under Had Bast No. 196 in District Solan."

S. GHOSH,
Jt. Insurance Commissioner (B)

INDIAN RED CROSS SOCIETY

New Delhi, the 29th June 1992

No. 26/ADM/92.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Indian Red Cross Society Act, 1920 (XV of 1920), the Managing Body of the Indian Red Cross Society, with the previous approval of the President of the Society, hereby makes the following Rules for regulating the constitution of the Managing Body :

1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT :

(1) These Rules may be called the Indian Red Cross Society (Constitution of Managing Body) Rules, 1992.

(2) They should come into force at once.

2. COMPOSITION OF MANAGING BODY :

The Managing Body of the Society shall consist of the following members, viz :

- (a) a Chairman to be nominated by the President for such term as he may deem fit.
- (b) six members to be nominated by the President for such term as he may deem fit.
- (c) twelve members to be elected by the State and Union Territory Branch Committees for a term of two years in accordance with the procedure laid down in Rule 4 :

Provided that not more than one member shall be elected by each State/Union Territory Branch Committee;

Provided further that no member elected under this Section, shall hold office continuously for more than two terms.

3. ELECTORAL COLLEGE :

For electing twelve members to the Managing Body there shall be an electoral college consisting of one elected representative from each State and Union Territory Branch Committee.

4. ELECTION OF MEMBERS TO THE NATIONAL MANAGING BODY :

(1) The place, date and time at which the election for the members of the National Managing Body shall be held shall be notified with the approval of the Chairman.

(2) The members of the electoral college shall elect from amongst themselves twelve members to represent the State and Union Territory Branches in the National Managing Body.

(3) At the time of election, each member of the electoral college shall be entitled to cast twelve votes subject to the condition that he shall not cast more than three votes in favour of candidates from each of the following four regions :

Northern Region :—Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Punjab, Uttar Pradesh, Chandigarh and Delhi.

Southern Region :—Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala, Andaman and Nicobar, Tamil Nadu, Lakshadweep, Pondicherry and Orissa;

Eastern Region :—Assam, Bihar, Manipur, Meghalaya, West Bengal, Nagaland, Sikkim, Tripura, Mizoram and Arunachal Pradesh;

Western Region :—Madhya Pradesh, Maharashtra, Dadra and Nagar Haveli, Daman and Diu, Gujarat, Goa and Rajasthan.

(4) From each region, the first three Branch representatives who would have secured the maximum votes in that region shall be declared as elected on the National Managing Body.

(5) In the event of tie, the Chairman shall decide as of which Branch representative shall be elected in the Managing Body and his decision shall be final.

(6) The elected Branch representatives shall hold office as members until the National Managing Body is reconstituted for the next term.

(7) Vacancies among the elected members occurring during the unexpired term of the National Managing Body shall be filled by a Branch representative elected by the State/Union Territory Committee to which the vacating member belongs.

5. INTERPRETATION :

Where any doubt arises as to the interpretation of these Rules it shall be referred to the Managing Body for a decision and the decision of the Managing Body shall be final.

6. REPEAL AND SAVING :

On the commencement of these Rules, every rule, regulation or order in force immediately before such commencement shall, in so far as it provides for any of the matters contained in these rules, cease to operate.

Dr. A. K. MUKHERJEE,
Secretary-General

AIR INDIA

Bombay, the 9th October 1992

CORRIGENDA

Changes to be effected in the Gazette of India No. 30 dated July 25, 1992, Part III—Section 4

Read "Notification No. 15" instead of "Notification No. 1" on page No. 3018, NOTE (iv).

2. Add the word "its" after "Dy. Commercial Director, Regional Director or" on page No. 3019 under I, COMMERCIAL DEPARTMENT item No. 3 (a) to (e) column 5.

3. Read "(a) to (e)" instead of "(a) to (3)" on page No. 3019 under II, FINANCE AND ACCOUNTS DEPT item No. 1.

4. Read "equivalent" instead of "dis-equivalent" on page 3020 item No. 3 column No. 2 line 2.

5. Read "Asst. Financial Controller" instead of "Asst. financial controller" on page No. 3020 item No. 5 column No. 5, line 1.

6. Read "equivalent" instead of "eequivalent" on page 3020 under III, HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT DEPARTMENT item No. 1 column 4 line 4.

7. Read "Dy. Personnel Manager/Dy. Industrial Relations Manager" instead of "Dy. Personnel Manager/Dv. Relations Manager" on page No. 3021 item No. 4 (a) to (e) column 4.

8. Read "Sr. Manager-Manpower Planning" instead of "Sr. Manager-Manpower Plannig" on page No. 3021 under IV, MANPOWER PLANNING DIVISION item No. 2—Any or all column 5.

9. Read "Dy. Engineering Manager or its equivalent" instead of "Dy. Engineering Manager its equivalent" on page No. 3023 item 5—Any or all and item No. 5—(a) to (e) column 5.

10. Read "To any officer not above the grade" instead of "To any officer not below the grade" on page No. 3025 under X, AIR SAFETY item No. 3 column 4 line 1.

11. Read "(a) to (e)" instead of "(a) to (iv)" on Page No. 3026 under XI VIGILANCE DEPARTMENT item No. 5, Column 3.

12. Read "equivalent" instead of "equivalen/" on page No. 3027 item No. 2 column 4, line 4.

13. Read "Estt. Officer /Dy. Manager/Administrative Officer" instead of "Estt. Officer /Dy. Manager Administrative Officer" on page 3027 item 3—Any or all—column 4 line 4.

14. Read "equivalent" instead "equivalent" on page No. 3027 item 3 (a) to (e) line 3, column 4.

15. Read "Jr. Technical Officer or its" instead of "Jr. Technical Officer of its" on page No. 3027 item 4—Any or all—column 4 line 2.

16. Delete the word "Director" on page 3028 under XV, PIANNING AND INTERNATIONAL RELATIONS DEPARTMENT item No. 1—Any or all—column 5, line 2.

17. Read "Dy. Director-Airport Services" instead of "Dy. Director-Airort Services" on page No 3029 under XVI, AIRPORT SERVICES DEPARTMENT item No. 1—(a) to (e) column 4 line 2.

18. Read "officer" instead of officer" on page 3029 under XVI, AIRPORT SERVICES DEPARTMENT item 4—Any or all—Column 4, line 4.

19. Read "equivalent" instead of "Equipment" on page No. 3030, column 4 and 5, Line 3.

20. Read "XIX. PUBLIC RELATIONS" instead of "XX. PUBLIC RELATIONS" on page No. 3032.

21. Read "Group II" instead of "Groud II" on page 3032 under XX, Dy. Managing Director column 4, line 3.

J. R. JAGTAP,
Secy.

OFFICE OF THE PUNJAB WAKF BOARD

Ambala Cantt, the 29th, September 1992

No. Wakf/45/Gen./Pub./Gazette/488/92—In exercise of the powers conferred under Section 27 of the Wakf Act, 1954 which is exercisable by me under delegation of powers by the Administration, Punjab Wakf Board under Section 22 of the Wakf Act, 1954, the following properties are hereby declared as Sonni Wakf.

S. No.	Name of Wakf	District Tehsi,	Village	Khasra No.	Area	Value	Nature & Object of Wakf	How the Wakf is administered	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	Chah Pacca Gardhari Masjid Wala	Ropar ————→ Ropar	Ropar HB 44	25/ /26	K—M 0—06	Rs. 20,000-00	Religious	Under the management of the Punjab Wakf Board, Ambala Cantt.	Sunni Wakf
2.	Pirkhana	Do.	Bhungala HB 364	27/ /26	0—10	1,500,00	Do.	Do.	Do.
3.	Graveyard	Do.	Fatehpur HB 363	61 82	19—11 4—04 23—15	60,000-00	Do.	Do.	Do.
4.	Graveyard	Do.	Sidhupur HB 286	116	1—05	10,000-00	Do.	Do.	Do.
5.	Do.	Do.	Bhago Majra HB 210	28	2—06	15,000-00	Do.	Do.	Do.
6.	Do.	Do.	Boor Majra HB 227	361	6—09	60,000-00	Do.	Do.	Do.
7.	Do.	Do.	Bhola Kanewal HB 362	27 46	4—07 3—12 7—19	25,000,00-	Do.	Do.	Do.
8.	Takia Pir Mastan Shah	Ropar ————→ Kharar	Kurali HB 121	102 Minl N—120 S—164 E—220 W—155 55 Road	5—10 Common land Abadi Road Toba	1,40,000-00	Do.	Do.	Do.
9.	Takia	Do.	Do.	43/ /44/21	0—10	20,000-00	Do.	Do.	Do.
10.	Graveyard	Do.	Cholta Khurd HB 385	28/ /13/1	4—17	18,000-00	Do.	Do.	Do.
11.	Do.	Do. ————→ Anandpur Sahib	Madhopur HB 434	61	8—12	20,000-00	Do.	Do.	Do.
12.	Do.	Do.	Nangra HB 232	186 471 Min 172	21—07 62—00 2—13 86—00	2,20,000-00	Do.	Do.	Do.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
13.	Graveyard	Ropar Anandpur Sahib	Kangar HB 506	459 471 517 630 635 630 Min.	0—19 3—03 3—01 8—18 9—12 0—15 26—08	3,00,000-00	Religious	Under the management of the Punjab Wakf Board, Ambala Cantt.	Sunni Wakf
14.	Do.	Do.	Rampur Kalan HB 489	41	10—05	25,000-00	Do.	Do.	Do.

The above items Graveyard, Chah, Pirkhana and Takia etc. are declared as Sunni Wakfs shown in the Jamabandis, site plans and Affidavits.

F. O. HASHMI
DCS
Secretary.

PANJAB UNIVERSITY

Chandigarh, the 12th October 1992

No. 1-92/G.R.—The Central Govt. (Ministry of Human Resource Development, Deptt. of Education) have accorded approval vide their letter No. F. 23-7/91-U.I. dated 4-2-1992 to the following Regulations :—

1. Regulation 4 at pages 65-66 of P.U. Cal., Vol. I, 1989 and the amendment be given effect to from the date of the Syndicate decision. (addition).

The Conveners of the various Boards of Studies in Engineering of both the Engineering Colleges be nominated by rotation, according to seniority of the college.

2. Regulation 4 of Chapter II(A) (vi) 'Boards of Studies' at pages 65—68 of the P.U. Cal. Vol. I, 1989.

4. The Boards of Studies in the following subjects and their Conveners shall be nominated by the Syndicate :

- I. Arabic
- II. Persian
- III. Urdu
- IV. Bengali
- V. Tamil
- VI. Sindhi
- VII. French
- VIII. German
- IX. Russian
- X. Tibetan
- XI. Arts
- XII. Library Science
- XIII. Defence & Strategic Studies
- XIV to XL
xxx xxx
xxx xxx xxx

3. Regulation 15.3 of Chapter VI (A) relating to conditions of service of University Employees at pages 147-148 of P. U. Cal., Vol. I, 1989. (addition).

15.3 In the case of an employee who dies while in service, the gratuity may be granted after his death to the person whose name has been Registered under Regulation 14.4.

15.2 An employee shall be governed by the new Regulations unless he opts to be governed by old regulations within one year from the date the new regulations come into force.

15.4 No Change

4. Regulation 11 and addition of Regulation 11.2, 11.3 and 11.4 of Chapter II (A) (iii) relating to 'Finance' at page 46 of P. U. Cal., Vol. I, 1989 (amendment and addition).

11.1. All donations made to the University shall be reported to the Syndicate and if the amount exceeds Rs. 5,000 these shall also be reported to the Senate.

The Syndicate or the Senate, as the case may be, shall decide whether the donation should be accepted and if so, how it shall be utilised keeping in mind the wishes of the person who sends the donation. Any change in the purpose of the donation made by Syndicate/Senate shall be subject to the consent of the donor.

11.2. The minimum amount for acceptance of a donation by the University for instituting a medal/prize in the name of one person should not be less than Rs. 10,000/- (Ten thousand rupees).

Provided that—

In the case of following categories of donors the minimum amount of donation shall not be less than Rs. 5,000/- :—

- (a) Where the donor or the person in whose name the medal/prize is proposed to be instituted has been a student of this University or an employee/retired employee (Teaching, Non-teaching).
- (b) Fellow/former Fellow of this University.
- (c) An employee/retired employee (Teaching/Non-teaching) of the colleges affiliated to Panjab University.

11.3. When an offer for a donation is received from any source, the following information be also placed on record by the University office before the proposal is sent upto the Syndicate :—

- (i) A brief resume of the donor.
- (ii) A brief resume of the person in whose memory or after whom the donation is proposed to be named, specially his/her connection or interest in relation to the objectives for which the Panjab University stands. The proforma for use by the office for this purpose shall be as at Appendix.

11.4. That when the annual income from a donation is intended to be applied for grant of a Scholarship/Stipend on a recurring basis, its quantum be not less than Rs. 100/- per month.

5. Regulation 2 of Chapter VII (E) relating to 'Department of Youth Welfare Activities' at page 174 of P.U. Cal., Vol. I, 1989.

2. All students on the rolls of the colleges affiliated to the University and of University Teaching Departments shall pay by the end of October every year to the University an annual subscription as Youth Welfare Fee and student Holiday Home Fee prescribed by the University from time to time and shall thereby be eligible to participate in the activities of the Department.

6. Regulation 18 relating to punishment for use of unfair means, at page 14 of the P.U. Cal., Vol. II, 1988.

18. If a candidate is found guilty of (a) serious misconduct in/outside the examination hall, or (b) misbehaviour towards the Superintendent or any member of supervisory staff or of the flying squad/Inspection Team or any other person deputed for the purpose or is guilty of collaboration or connivance with any other person or candidate in the commission of such an offence during or at any time after the termination of the examination, he shall be disqualified from appearing in any University Examination for a period of two to five years according to the nature of his misconduct/misbehaviour.

7. Regulation 2.2 at page 82 of P.U. Cal., Vol. II, 1988 for Bachelor of Science in Home Science (Pass) Examination.

(Effective from the admission of 1989).

2.2. A person who has passed the following shall be eligible to join the second year (Part II) class of the B.Sc. Home Science (Pass) Course :—

B.Sc. Home Science First Year (Pass) examination of the Panjab University with—

(i) English, Physiology, Hygiene, Introduction to Home Science and Applied Chemistry (for Science students only) as compulsory subjects, and

(ii) Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Sociology, Psychology and Economics as qualifying subjects (in which she has not studied at the +2 class).

The highest marks obtained by a person in the three qualifying subjects will be counted towards the aggregate; passing in the remaining subjects (which the candidate has not studied at +2 level) is compulsory to qualify in the examination.

8. Regulation 3.1 (ii) (a) for Master of Arts Examination at page 107 of P.U. Cal., Vol. II, 1988.

3.1 No Change.

(i) No Change

(ii) (a) A Bachelor's degree in any Faculty with at least 50% marks in the aggregate.

9. Regulation 3.1 for Master of Arts examination at pages 107—110 of P.U. Cal., Vol. II, 1988 (addition).

3.1 No Change.

(i) to (ix) xxx xxx

Provided that—

(a) to (k) xxx xxx

(L) For M.A. Part I (French) a person who has passed B.A. Honours in French from this University or any other recognised University in India or abroad shall also be eligible, provided the degree concerned has been recognised as equivalent to the corresponding degree of this University.

10. Regulation 3 for Master of Arts examination at pages 107—110 of P.U. Cal., Vol. II, 1988.

3.1 No Change.

(i) to (ix) xxx xxx

Provided that—

(a) to (h) xxx xxx

(i) For M.A. Hindi Part I examination 45 per cent marks in Sanskrit (Elective) or Shastri examination (New Course) are also accepted.

xxx xxx xxx

12. Regulation 14 of Master of Arts/Science (Semester System) examination (Revised) at page 122 of P. U. Cal., Vol. II, 1988.

14. A candidate shall be deemed to have passed the examination if he obtains 35% marks in each paper. Each candidate shall be required to obtain pass marks in each course of theory and practical separately for each semester.

13. Regulations 8.1 and 10.1 for Bachelor of Education in Yoga at pages 296-97 of P. U. Cal., Vol. II, 1988.

8.1 The minimum number of marks required to pass the examination shall be :

(i) No Change.

(ii) Part II : 40 per cent (This part has only External Assessment).

(iii) No Change.

10.1 The Controller of Examinations shall publish the result of the candidates as soon as possible after the termination of the examination. Merit list shall be prepared on the basis of marks obtained in Part I and Part II and Part III (External) taken together. In the case of successful candidates the result indicate the division in each part separately in internal and external assessment as the case may be.

14. Addition of foot note No. 4 to Regulation 13 for Doctor of Philosophy in the Faculty of Engineering & Technology at page 409 of P. U. Cal., Vol. II, 1988.

13. No Change.

1. No Change.

2. No Change.

3. No Change.

4. (i) C.S.I.O., Sector 30, Chandigarh (ii) Institute of Research for Micro-bio-Technology, Sector 39, Chd. (iii) T.B.R.L., Sector 30, Chd. & (iv) P.G.I., Sector 12, Chd. are recognised as Centres for Ph.D. research.

15. Regulation 15 for B.A./B.Sc. (General & Honours) examinations.

15. (A) No Change.

(i) to (iii) xxx xxx

(ix) in English, Hindi and Panjabi in the case of the following subjects :—

Economics, Sociology, Public Administration, Philosophy, History, Geography, Political Science, Ancient Indian History and Culture, Music (Indian), Tabla, Indian Classical Dance, Art, History of Art, Clay Modelling, Home Science, Psychology, Defence & Strategic Studies and Education;

(v) xxx xxx xxx

(B) No Change.

(i) to (iii) xxx xxx

(iv) English or Hindi or Panjabi or Urdu in the case of the following subjects :—

Economics, Sociology, Public Administration, Philosophy, History, Geography, Political Science, Ancient Indian

History and Culture Music (Indian), Art, Home Science, Psychology, Defence & Strategic Studies and Education, the candidates may use technical terms wherever necessary in English.

(v) to (vi) xxx

xxx

16. Regulation 6 for Diploma in Adi Grandh Acharya at page 206 of P. U. Cal., Vol. II, 1988.

6. The medium of examination will be English, Urdu, Hindi or Panjabi for setting of question papers and for writing the answers.

17. Regulation 6.3 relating to Master of Education (M.Ed.) at page 274 of P.U. Cal., Vol. II, 1988

6.3 Every candidate shall be examined in viva voce on his dissertation by the internal and external examiners and the Principal of the College/Chairman of the Department.

18. Regulation 7.1 for Bachelor of Education in Yoga at page 296 of P.U. Cal., Vol. II, 1988. (addition)

7.1 *The question papers shall be set in three languages, viz., Hindi, Panjabi and English simultaneously.*

7.2 No Change.

19. Deletion of Regulations for —

(i) Pre-University examination at pages 43-49

(ii) Pre-Medical examination at pages 50-55

(iii) Pre-Engineering examination at pages 56-61 of Cal. Vol. II, 1988.

20. Deletion of Regulations for Certificate Course in Library Science (through Correspondence Courses) contained in P.U. Cal., Vol. II, 1988 at pages 100-101.

21. Deletion of Regulations for Post-graduate Course in Bio-Chemistry at pages 171-73 of P.U. Cal. Vol. II, 1988, from the academic session 1990-91.

22. Deletion of Regulations for Diploma Course in Indian Theatre appearing at pages 525-26 of P.U. Cal., Vol. II, 1988.

23. Regulations for (a) Bachelor of Physical Education (Annual System) and (b) M.A. Physical Education (Annual System) from the academic session 1990-91.

REGULATIONS FOR BACHELOR OF PHYSICAL EDUCATION (ANNUAL)

1.1 The duration of the course for the degree of Bachelor of Physical Education shall be one year.

1.2 The examination shall be held once a year ordinarily in the month of April on such dates as may be fixed by the Syndicate.

1.3 The last date for receipt of examination admission form and fee without and with late fee of Rs. 5/- as fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations.

2.1 A person who has passed any one of the following examinations shall be eligible to join the course :

(A) A Bachelor's/Post-graduate degree in any discipline of the Panjab University obtaining not less than 45% marks;

(B) A Bachelor's/Post-graduate degree in any discipline of another university, recognised by the Syndicate as equivalent to (a), obtaining not less than 45% marks.

Provided that a candidate admitted either under clause (a) or (b) qualifies in the Standard Efficiency Test, as defined by the Syndicate, at the time of admission to this course.

2.2 A student who possesses the qualification laid down in Regulation 2.1, has attended the prescribed course of

instruction and training during one academic year in the University Department of Physical Education or a college affiliated for the B.P.E. course and produces the following certificates duly signed by the Head of the University Department/Principal of the college shall be eligible to appear in the examination :

(a) of good character;

(b) of having attended at least 66 per cent of (i) lectures and (ii) practicals separately in each paper held for his class during the academic year preceding the examination; and

(c) of having taken at least 20 supervised lessons (in various physical activities, games and athletics at least 10 lessons in schools and/or colleges and 10 in the class itself) in the Practice of Teaching—Five officiating Assignments.

2.3 The Head of the University Department of Physical Education/Principal of the college shall have authority to condone the shortage up to 15 lectures.

2.4 A candidate who, having completed the prescribed course does not appear in the examination or having appeared in the examination fails and is recommended by the Head of the Department/Principal of his college, shall be eligible to appear in the examination within a period of three years from the date of completion of the course.

3. The amount of examination fee to be paid by a candidate shall be Rs. 50/-.

4. The examination shall consist of two parts, as under, according to the syllabus prescribed for each part :

Part I

Theory

Part II

Practicals

5. English shall be the medium of Examinations.

6.1 The minimum number of marks required to pass the examination in each part shall be 33 per cent in each theory paper, 40 per cent in each practical, and 40 per cent in the aggregate of each Part.

6.2 Every candidate shall be required to pass in each part of the examination separately, i.e. Theory and Practicals.

6.3 A candidate who fails in any part of the examination shall be permitted to appear in any subsequent examination in the part in which he failed on payment on each occasion of the same fee as prescribed for the whole examination, without being required to attend the course.

7.1 The Controller of Examinations shall publish the result four weeks after the termination of the examination or as soon thereafter as is possible.

7.2 Successful candidates shall be classified for each Part as follows :

(i) Those who obtain 75 per cent or more of the aggregate marks First Division with Distinction

(ii) Those who obtain 60 per cent or more but less than 75 per cent of the aggregate marks First Division

(iii) Those who obtain 50 per cent or more but less than 60 per cent of the aggregate marks Second Division

(iv) Those who obtained less than 50 per cent of the aggregate marks Third Division

7.3 A candidate who passes in all the two parts of the examination shall be awarded the degree, which will also indicate the division obtained by the candidate.

PANJAB UNIVERSITY

REGULATIONS FOR MASTER OF ARTS (PHYSICAL EDUCATION) (ANNUAL)

1.1 The duration of the course for the degree of Master of Arts (Physical Education) shall be two years.

1.2 The examination shall consist of two parts, viz., Part I and Part-II. The examination for each part shall be held once a year ordinarily in the month of April on such dates as may be fixed by the Syndicate.

1.3 The last date for receipt of examination admission form and fee without and with late fee of Rs. 5/- as fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations.

2.1 A person who possesses any of the following qualifications shall be eligible to join M.A. Part-I of the course :—

- (i) Degree of Bachelor of Physical Education of the Panjab University obtaining not less than 45% marks;
- (ii) Post-graduate Diploma in Physical Education from the Panjab University obtaining not less than 45% marks;
- (iii) Degree of Physical Education. Post-graduate Diploma in Physical Education of another University recognised by the Syndicate of the Panjab University as equivalent to (i) and (ii) above with not less than 45% marks in the aggregate of the degree/diploma;
- (iv) A degree of the Panjab University obtaining not less than 45% marks if he is an outstanding sportsman having participated in Inter-University or Inter-State or National Tournament or in any game/sport, recognised by Inter University Board and also qualifies in the Standard Efficiency Test at the time of admission to the M.A. (Physical Education) Course;
- (v) Any other qualification recognised by the Syndicate as equivalent to (i), (ii), (iii) or (iv).

Provided that a candidate admitted under any of the clauses (i) to (v) qualifies in the Standard Efficiency Test at the time of admission to this Course.

2.2 A student who has passed M.A. (Physical Education) Part-I examination of the Panjab University shall be eligible to join the Part II Course.

3.1 A student who possesses the qualification laid down in Regulation 2.1 has been on the rolls of the University Department of Physical Education for one academic year preceding the examination and produces the following certificates signed by the Head of the Department, shall be eligible to appear in Part-I examination :—

- (a) of good character;
- (b) of having attended at least 66 per cent of the full course of
 - (i) lectures delivered;
 - (ii) practicals conducted;
 - (iii) seminars held separately for each paper during the academic year; and
- (c) of having taken at least 20 supervised lessons (10 in a school and/or a college and 10 in the class itself in (i) Athletics and (ii) Games and Sports).

3.2 A student who has passed Part-I examination for the degree of Master of Arts (Physical Education) from the

Panjab University not more than three years preceding the examination, has been on the rolls of the University Department of Physical Education for one academic year preceding the examination and produces the following certificates signed by the Head of the Department shall be eligible to appear in Part-II examination :—

- (a) of having attended at least 66 per cent of the full course of (i) lectures delivered and (ii) practicals conducted for his class during the academic year;
- (b) of having taken at least 20 lessons ten in a school and/or a college and ten in the class itself) in Athletics and games for specialization.

3.3 A deficiency in lectures, practicals and seminars, may be condoned as under :—

- (i) by the Head of the Department if the deficiency is upto 15;
- (ii) by the Syndicate if the deficiency is more than 15 but not more than 30.

4. The amount of examination fee to be paid by a candidate for each Part shall be Rs. 80/-.

An additional fee of Rs. 10/- shall be charged from a private candidate.

5. A person who has completed the prescribed course for Part-I/II examination in the University Department of Physical Education, has failed or has failed to appear in the examination, may be allowed to appear in Part I/II examination within three years from the date of completion of the course.

6. The dissertation on such a subject as is approved by the Board of Studies in Physical Education on the recommendation of the Head of the Department may be offered by a student who has secured at least 50 per cent marks in M.A. (Physical Education) Part-I examination.

The dissertation shall be submitted ordinarily by the 15th of March of the year of the University Examination and shall be evaluated by one external and one internal examiners. The minimum number of marks required to pass the examination shall be 40 per cent.

If a candidate has failed in the examination but has obtained pass marks in the dissertation, his marks in dissertation may be carried forward at his option for two subsequent years without fresh assessment of the dissertation. After two year, the candidate may revise the dissertation and resubmit it for fresh assessment.

7.1 The examination for each part shall consist of Theory papers and practicals according to the syllabus for that Part.

A candidate may also offer a paper on National Social Service of 50 marks as an additional optional subject. The marks obtained in this subject shall not count toward division but the fact of his having passed in it shall be mentioned in the certificate.

7.2 The medium of examination shall be English.

8.1 The minimum number of marks required to pass in each part shall be 33 per cent in each written paper, 40 per cent in each practical and 40 per cent in the aggregate of each part.

8.2 A candidate shall be allowed to take partial re-examination in one paper only of M.A. Part-I/II, if he obtains an aggregate of 45% marks in the remaining papers. For the purpose of clearing the paper in which he failed or could not appear, he shall be given two consecutive chances. A candidate shall be required to obtain 33% marks in order to clear the paper of partial re-examination.

Provided further that a candidate for M.A. Part-I examination who is allowed to take partial re-examination in one paper shall be eligible to join M.A. Part-II class provisionally subject to his clearing the re-examination paper in the next two consecutive chances, failing which his candidature and result of M.A. Part-II examination shall stand cancelled.

8.3 Successful candidates shall be classified as under on the combined marks of Part-I and Part-II examinations taken together :

- (a) those who obtain 60 per cent or more of the aggregate marks .. First Division
- (b) those who obtain 50 per cent or more but less than 60 per cent of the aggregate marks .. Second Division
- (c) those who obtain less than 50 per cent of the aggregate marks .. Third Division

8.4 As soon after the examination, as possible, the Controller of Examinations shall publish the result.

8.5 Each successful candidate of Part-I shall receive a certificate of having passed in that Part of the examination.

8.6 Each successful candidate of Part-II shall be granted the degree in which the division obtained by him/her shall be stated.

SPECIAL PROVISION

9.1 A candidate who has qualified for the award of the M.A. degree in Physical Education from the Panjab University may be allowed to re-appear as a private candidate in the paper/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of five years from the date of his passing the M.A. examination. Improvement will not, however, be allowed in dissertation/thesis, viva-voce and practicals. The candidate will be charged a fee of Rs. 25/- for each paper, or the maximum admission fee prescribed for the examination concerned, whichever is lower.

9.2 A person who is allowed to reappear in the examination under this Regulation may reappear in both Part I and Part II examinations simultaneously or Part I or Part II, or both the Parts separately, but if he chooses to appear in both the Parts, he must complete the examination within a period of five years from passing the third division.

9.3 Marks obtained in Part I or Part II at the time of obtaining third division may be carried forward and combined with the other Part for purpose of improving the division.

9.4 A person who chooses to appear in both the Parts, separately but finds that he has improved the division even with the marks of one part, may not reappear in the other Part.

9.5 The result of such a candidate shall be declared only if he improves the division.

10. A person who is allowed to reappear in the M.A. (Physical Education) Part I Examination under regulation 8.1 shall not be required to attend the camp for practical work in recreation.

24. Regulations for Master of Education (Guidance & Counselling) and Master of Education (Educational Technology) in the subject of Education from the admissions of 1991.

REGULATIONS FOR MASTER OF EDUCATION (GUIDANCE & COUNSELLING)

1.1 The duration of the course for the degree of Master of Education—M.Ed. (Guidance and Counselling) shall be one year.

1.2 The examination shall be held once a year as follows :

- (a) in theory papers—ordinarily in the month of April and
- (b) in dissertation/individual and group counselling reports ordinarily in the month of May.

on such dates as may be fixed by the Syndicate.

1.3 The last date for receipt of examination admission form and fee without late fee and with late fee of Rs. 5/- as fixed by the Syndicate, shall be notified by the Controller of Examinations.

2. A person who possesses one of the following qualifications shall be eligible to join the course :

- (a) a degree in any Faculty and also the degree of Bachelor of Education of this University;
- (b) any other qualifications recognised by the Syndicate as equivalent to (a).

3.1 A student who possesses the qualifications laid down in Regulation 2, has been on the rolls of the University Education Department or a college affiliated to the University for the M.Ed. (Guidance and Counselling) course during the academic year preceding the examination and produces the following certificates signed by the Head of the University Education Department/Principal of the affiliated college shall be eligible to appear in the examination :

- (a) of good character;
- (b) of having undergone the course of training for the degree of M.Ed. (Guidance and Counselling); and
- (c) of having attended not less than 80 per cent of the full course of lectures in each paper delivered to his class.

3.2 A deficiency in the required number of lectures may be condoned for special reasons, as under :

- (a) Up to 15—by the Head of the University Department/Principal of the college.
- (b) Up to 30—by the Syndicate.

3.3 A student who has failed in the examination, or, having completed the course has failed to appear in the examination may be allowed to appear as a late college student without attending a fresh course of lectures.

3.4 A candidate who is unable to qualify in the examination within four consecutive chances shall not be admitted to the examination or to appear as a late college student.

4. The amount of examination admission fee to be paid by a candidate shall be Rs. 100/-.

An additional fee of Rs. 10/- shall be charged from a private candidate.

5.1 The medium of examination for all papers including dissertation Individual counselling and group counselling reports shall be English.

5.2 The Examination shall be held according to the Syllabus approved by the Senate.

6.1 The subject of the dissertation of a candidate will be such as is approved by the Board of Studies in Education on the recommendation of the Head of the Department/Principal of the College.

6.2 Every candidate shall be required to submit with his dissertation a brief abstract of the same giving an account of the investigation/research conducted and its main findings (which will not exceed 500 words) for approval of the examiners.

6.3 Every candidate shall be examined in viva voce on his dissertation/Individual and Group Counselling Reports.

6.4 When a candidate has failed in the examination but has obtained pass marks in the dissertation/Individual and Group Counselling Reports, the dissertation/Individual and Group Reports marks may be carried forward at his option to two subsequent year without fresh assessment of the dissertation/Individual and Group Counselling Reports. After two years, the candidate may resubmit the dissertation/Individual and Group Counselling Reports for fresh assessment; after revision, if necessary.

7. The minimum number of marks required to pass the examination shall be 33 per cent in each paper, 40 per cent in the dissertation/Individual and Group Counselling Reports and 40 per cent in the aggregate.

8.1 A candidate who has passed the M.Ed. (Guidance and Counselling) may appear in one or more additional papers in which he has not already passed. The examination fee for appearing in each additional paper shall be Rs. 30/-, subject to the maximum of the full examination fee prescribed for the whole examination.

8.2 A candidate appearing in one or more additional papers under Regulation 8.1 shall be required to secure at least 40 per cent marks to pass in that paper/papers.

9.1 The Controller of Examinations shall publish the result ordinarily four weeks after the termination of the examination or as soon as is possible.

9.2 Successful candidates shall be classified as under :

- (a) those who obtain 60 per cent or—First Division more of the aggregate marks.
- (b) those who obtain 50 per cent or —Second Division more but less than 60 per cent of the aggregate marks.
- (c) those who obtain less than —Third Division 30 per cent of the aggregate marks.

9.3 Each successful candidate shall receive, with his degree a certificate stating the division in which he has passed.

10.1 A candidate who has qualified for the award of M.Ed. (Guidance and Counselling) degree, from the Punjab University, may be allowed to re-appear as a private candidate in the paper/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of five years from the date of his passing the M.Ed. (Guidance and Counselling) examination. Improvement will not, however, be allowed in dissertation/thesis/Individual and Group Counselling Reports viva-voce and practicals. The candidate will be charged a fee of Rs. 25/- for each paper, or the minimum admission fee prescribed for the examination concerned, whichever is lower.

10.2 The result of such a candidate shall be declared only if he improves his performance.

TRANSITORY REGULATION

A person who has passed M. Ed. (Guidance and Counselling) examination in the third/second division may be allowed to appear as a private candidate for purpose of improving his previous performance. For this purpose he may be given.....

- (a) two chances to improve his previous performance if he has not availed of any chance.
- (b) one more chance to improve his previous performance if he has already availed of one chance.

This concession will remain operative for a period of five years commencing from the examination to be held in 1992. Provided that such a person shall not be eligible for the award of any medal/prize for standing first in the examination.

PANJAB UNIVERSITY

REGULATIONS FOR MASTER OF EDUCATION (EDUCATIONAL TECHNOLOGY)

1.1 The duration of the course for the degree of Master of Education-M. Ed. (Educational Technology) shall be one year.

1.2 The examination shall be held once a year as follows :

- (a) in theory papers..ordinarily in the month of April; and
- (b) in dissertation/Project Report..ordinarily in the month of May,

on such dates as may be fixed by the Syndicate.

1.3 The last date for receipt of examination admission form and fee without late fee and with late fee of Rs. 5/- as fixed

by the Syndicate, shall be notified by the Controller of Examinations.

2. A person who possesses one of the following qualifications shall be eligible to join the courses :

- (a) a degree in any Faculty and also the degree of Bachelor of Education of this University;
- (b) any other qualifications recognized by the Syndicate as equivalent to (a).

3.1 A student who possesses the qualifications laid down in Regulation 2, has been on the rolls of the University Education Department or a college affiliated to the University for the M. Ed. (Educational Technology) course during the academic year preceding the examination and produces the following certificates signed by the Head of the University Education Department/Principal of the affiliated college shall be eligible to appear in the examination :

- (a) of good character;
- (b) of having undergone the course of training for the degree of M. Ed. (Educational Technology);
- (c) of having attended not less than 80 per cent of the full course of lectures in each paper delivered to his class.

3.2 A deficiency in the required number of lectures may be condoned for special reasons, as under :

- (a) Up to 15% by the Head of the University Department/Principal of the College;
- (b) Up to 30 % by the Syndicate.

3.3 A student who has failed in the examination, or having completed the course has failed to appear in the examination may be allowed to appear as a late Department/College student without attending a fresh course of lectures.

3.4 A candidate who is unable to qualify in the examination within four consecutive chances shall not be admitted to the examination or to appear as a late Department/College student.

4. The amount of examination admission fee to be paid by a candidate shall be Rs. 100/-.

An additional fee of Rs. 10/- shall be charged from a private candidate.

5.1 The medium of examination for all papers including dissertation/ Project Report shall be English.

5.2 The examination shall be held according to the Syllabus approved by the Senate.

6.1 The subject of the dissertation/Project Report of a candidate will be such as is approved by the Board of Studies in Education on the recommendation of the Head of the Department/Principal of the college.

6.2 Every candidate shall be required to submit with his dissertation/Project Report a brief abstract of the same giving an account of the investigation/research conducted and its main findings (which will not exceed 500 words) for approval of the examiners.

6.3 Every candidate shall be examined in viva-voce on his dissertation/Project Report.

6.4 When a candidate has failed in the examination but has obtained pass marks in the dissertation/Project Report the dissertation/Project Report marks may be carried forward at his option to two subsequent years without fresh assessment of the dissertation/Project Report. After two years the candidate may resubmit the dissertation/Project Report for fresh assessment; after revision, if necessary.

7. The minimum number of marks required to pass the examination shall be 33 per cent in each paper, 40 per cent in the dissertation/Project Report and 40 per cent in the aggregate.

8.1 A candidate who has passed the M.Ed. (Educational Technology) examination of this University may appear in one or more additional papers in which he has not already passed. The examination fee for appearing in each additional paper shall be Rs. 30/-, subject to the maximum of the full examination fee prescribed for the whole examination.

8.2 A candidate appearing in one or more additional papers under Regulation 8.1 shall be required to secure at least 40 per cent marks to pass in that paper/papers.

9.1 The Controller of Examinations shall publish the result ordinarily four weeks after the termination of the examination or as soon as is possible.

9.2 Successful candidates shall be classified as under :

- (a) those who obtain 60 per cent or more of the aggregate marks.....First Division
- (b) those who obtain 50 per cent or more but less than 60 per cent of the aggregate marks
.....Second Division
- (c) those who obtain less than 50 per cent of the aggregate marks
.....Third Division

9.3 Each successful candidate shall receive, with this degree a certificate stating the division in which he has passed.

10.1 A candidate who has qualified for the award of M.Ed. (Educational Technology) degree, from the Panjab University may be allowed to re-appear as a private candidate in the paper/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of five years from the date of his passing the M.Ed. (Educational Technology) examination. Improvement will not, however, be allowed in dissertation/thesis/Project report, viva-voce and practicals. The candidate will be charged a fee of Rs. 25/- for each paper, or the minimum admission fee prescribed for the examination concerned, whichever is lower.

10.2 The result of such a candidate shall be declared only if he improves his performance.

TRANSITORY REGULATION

A person who has passed M.Ed. (Educational Technology) examination in the third/second division may be allowed to appear as a private candidate for purposes of improving his previous performance. For this purpose he may be given :

- (a) two chances to improve his previous performance if he has not availed of any chance.
- (b) one more chance to improve his previous performance if he had already availed of one chance.

This concession will remain operative for a period of five years commencing from the examination of 1992.

Provided that such a person shall not be eligible for the award of any medal/prize for standing first in the examination.

25. Regulations for Intensive Diploma Course in Russian Studies (effective from the admissions of 1990).

1.1 The duration of the Intensive Diploma Course shall be one academic year.

1.2 These examinations shall be held once a year ordinarily in the month of May, on such dates as may be fixed by the Syndicate.

1.3 The date for commencement of the examination and the last date for receipt of examination admission forms without and with late fees of Rs. 25/-, as fixed by the Syndicate, shall be notified by the Controller of Examinations.

2. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join these courses;

- (i) +2 examination from Board/Body/Council/ University.
- (ii) An examination of another University/Board recognised by the Syndicate as equivalent to (i) above.

3.1 A person who possesses the qualifications laid down in Regulation 2 and produces the following certificates signed by the Chairman/Head of the Russian Department, P. U. or by Principal of a College affiliated to the University for the courses shall be eligible to appear in the examination :

- (a) of good character;
- (b) of having been on the rolls of the Department/College as the case may be, during the academic year preceding the examination; and
- (c) of having attended not less than 66% of the lectures in each paper delivered to the class.

3.2 Deficiency in the required number of lectures may be condoned.

- (i) upto 15 lectures by the Chairman/Head of the Deptt. or the Principal as the case may be.
- (ii) upto 25 lectures by the Dean of the University Instruction on the recommendation of the Chairman/Head of the Deptt. or the Principal as the case may be.

3.3 A student who, having attended the prescribed number of lectures, does not appear in the examination, or having appeared, has failed may be permitted, on the recommendation of the Head of the Deptt./Principal of the College as the case may be, to appear in the examination as a private candidate, within a period of three years of completing the courses.

4. The amount of examination fee to be paid by a candidate shall be Rs. 40/- An additional fee of Rs. 10/- shall be charged from a private candidate.

5.1 The examination shall be in accordance with the syllabus prescribed by the Senate.

5.2 The medium of examination shall be the language concerned.

6. The minimum number of marks required to pass the examination shall be—

- (a) 40% in each theory paper;
- (b) 40% in oral/practical
- (c) 40% in the aggregate

7.1 Successful candidates shall be classified as under :

- (a) Those who obtain 75% or more ..Distinction of the aggregate marks.
- (b) Those who obtain 60% or more ..First Division but less than 75% of the aggregate marks.
- (c) Those who obtain 50% or more ..Second Division but less than 60% of the aggregate marks.
- (d) Those who obtain less than ..Third Division 50% of the aggregate marks.

7.2 The Controller of Examinations shall publish the result four weeks after the termination of the examination or as soon as possible.

7.3 Each successful candidate shall be granted a Diploma showing the division in which he has passed.

26. Change of title and amendment of Regulations 1, 6, 7, 10 and 15 for Diploma Course in Computer Science & Applications at pages 178.80 of P. U. Cal. Vol. II, 1988.

**POST GRADUATE DIPLOMA IN COMPUTER
SCIENCE AND APPLICATIONS
PROPOSED REGULATION**

1. The 'Centre for Computer Science and Applications' Panjab University Chandigarh, shall undertake instructions for the Post-Graduate Diploma Course in Computer Science and Applications in the Faculty of Science.

6. Every student admitted to the Post-graduate Diploma Course shall be on the rolls of the Centre and shall pay such fee/s to the University as the Syndicate may prescribe from time to time.

7. The Advisory Committee/Board of Control shall make recommendations to the appropriate bodies for their approval in all matters concerning the Post-graduate Diploma Course, Syllabii and the appointment of Examiners.

10. Every candidate for the Final Post-graduate Diploma Course examination shall send his/her application through the Director of the Centre accompanied by the following certificates:—

- (a) No Change
- (b) No Change.

15. Every successful candidate shall be granted Post-graduate Diploma indicating the awards in Theory and Practicals separately and the Distinction/Division in which he has passed.

27. Regulation 7.3 at page 306 of P.U. Cal., Vol. II, 1988 relating to submission of Master of Engineering thesis. 7.3.(b) No Change

Provided further that the extension beyond the above limit but not exceeding two years may be allowed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Principal/Head of the Department, as the case may be.

28. Regulations for Master of Pharmacy effective from the admission of 1990.

1. The duration of the course of instructions for the degree of Master of Pharmacy shall be of eighteen months comprising three semesters.

2. A person who holds valid GATE score and has passed one of the following examinations shall be eligible for admission to the first semester of Master of Pharmacy course.

3. (a) B. Pharmacy examination of the Panjab University;
(b) An examination of another University recognised by the Syndicate as equivalent to (a).

3.1 The examination shall consist of three semesters :

Semester I : at the end of an academic term of six months involving theory and laboratory courses.

Semester II : at the end of second academic term of six months including theory courses and presentation of a seminar.

Semester III : submission of a thesis on a research project allotted after the first semester and presentation of the work at a seminar.

3.2 The amount of examination fee to be paid by a candidate for each semester shall be determined by the Syndicate from time to time.

3.3 The medium of examination shall be English.

4.1 The examination on of M. Pharm. Semester I and Semester II shall be held ordinarily in January/February and July/August respectively, on such dates as may be fixed by the Syndicate. The supplementary examination shall be ordinarily held after one month of declaration of result of each semester examination.

4.2 The date of commencement of M. Phar. Semester I and Semester II examinations and the last date for the receipt of examination admission form and fee without and with late fee as fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations.

4.3 (a) The examination in M. Pharm. Semester I shall consist of two theory papers and two practicals. One theory paper on Modern Analytical and Pharmaceutical Techniques and its practical shall be compulsory for every candidate and the other theory paper and a practical out of the following Groups A, B, C, or D.

Compulsory courses for all candidates

1. Modern Analytical & Pharmaceutical Techniques—One paper

2. Practical—One paper.

GROUP-A (Pharmaceutics)

Paper I : Physical Pharmaceutics & Pharmaceutical Technology.

Practical : Pharmaceutics Laboratory.

GROUP-B (Pharmaceutical Chemistry)

Paper I : Advanced Organic Chemistry.

Practical : Pharmaceutical Chemistry Laboratory.

GROUP-C (Pharmacology)

Paper I : Advanced Pharmacogony.

Practical : Pharmacogony Laboratory.

GROUP-D (Pharmacology)

Paper I : Clinical Pharmacology and Drug therapy.

Practical : Pharmacology Laboratory.

(b) The examination in M. Pharm.* Semester II shall consist of two theory papers out of the following GROUPS A, B, C or D and a seminar related to research area allocated. The topic for research shall be allocated at the beginning of the II semester and presentation of a seminar related to the research topic shall constitute part of the examination.

GROUP-A (Pharmaceutics)

Paper II : Advanced Pharmacokinetics and Biopharmaceutics.

Paper III : Pharmaceutical Biotechnology.

GROUP-B (Pharmaceutical Chemistry)

Paper II : Chemistry of Natural Products.

Paper III : Medicinal Chemistry.

GROUP-C (Pharmacology)

Paper II : Drug Cultivation.

Paper III : Drug Standardization.

GROUP-D (Pharmacology)

Paper II : Drug Evaluation and Advanced Pharmacological Techniques.

Paper III : Recent Advances in Pharmacology.

4.4 A student who possesses qualifications laid down in Regulation 2, has been enrolled in the University Deptt. of Pharmaceutical Sciences and produces the following certificate signed by the Chairman of the Department shall be eligible for appearing in M. Pharm. Semester I and Semester II examinations.

(a) of good character.

(b) of having attended minimum of ten contact lectures of a course being taught one hour per week, 20 contact lectures of a course being taught two hours per week, 30 contact lectures for course being taught 3 hours per week and so on respectively and minimum of 20 practicals a semester both of the compulsory course and course/s of major field of specialization.

4.5 Setting of theory question paper and evaluation of the answer scripts shall be done by the examiners as appointed by the Board of Postgraduate Studies in Pharmaceutical Sciences.

4.6 Practical examination of the laboratory course shall be conducted jointly by both the internal and external examiners.

4.7 Seminar to be delivered in second semester shall be evaluated by a panel of four examiners consisting of the Chairman, the Supervisor and two faculty members to be appointed by the Board of Postgraduate Studies in Pharmaceutical Sciences from the other two specialities of the department.

4.8 Each theory paper and each practical paper shall be of 100 marks. The Seminar shall be evaluated on the basis of Grades* O-F. The minimum number of marks required to pass M. Pharm. 1st Semester and 2nd Semester separately shall be —

- (a) 50% in the aggregate of all theory papers;
- (b) 50% in the practical paper, and
- (c) B (—) grade in the seminar.

*Grades (marks)

O++	100%
O	20%
A	70%
B+	60%
B	55%
B—	50%
F	0

4.9 If a candidate fails in M. Pharm. I Semester or II Semester but obtains 50% or more marks in one or more theory papers or practical or seminar, he/she may be exempted from appearing again in such paper.

A candidate on re-appearing shall pay admission fee of Rs. 25/- per subject for each examination subject to a maximum of fee prescribed for the examination concerned and the admission fee for the re-appear would be in addition to the admission fee charged for other examination, if any, in which he/she was appearing.

4.10 A candidate who is short of the required number of attendance at lectures and practical for Semester I and Semester II examination to be held in January and July may make up the deficiency and appear in the respective supplementary examination.

5.1 A candidate who having attended the course of instructions for M. Pharm. I Semester and II Semester in term of Regulation 4.3/4.4 does not appear in all or in any of the papers in the examinations that follow it or has failed to pass in all or any of the papers therein may be allowed to appear in the next three consecutive examinations from the date of eligibility. If the candidate does not clear the examination in four consecutive chances thus provided he/she shall not be allowed to continue studies for the degree of Master of Pharmacy. The result of higher examination shall not be declared till we declare the result of lower examination.

5.2 The examination of M. Pharm. III Semster shall consist of a thesis and its presentation at a seminar on a date fixed by the Chairman of the Department. The external examiner, members of the teaching staff and research students of the department shall participate in the discussion on the thesis.

5.3 The subject of the thesis shall be approved by the Board of Postgraduate Studies in Pharmaceutical Sciences. Each student shall submit three typed/reprographed copies of the thesis, incorporating the result of investigations within three months of the expiry of the duration of the course envisaged in Regulation 3.1 or passing of M.Pharm. I & II Semester examinations whichever is later.

Provided that the Dean of University Instruction may give extension in submission of thesis up to a maximum of three months.

5.4 The evaluation of a thesis for Semester III examination shall be done by a board consisting of an external

examiner, research supervisor of the candidate and the Chairman of the Department on the basis of the contents of thesis, its presentation and discussion thereon.

5.5 A candidate whose thesis for Semester III examination has been rejected may be allowed to resubmit a revised thesis after a period of three months from the date of declaration of result but not later than one year of the first submission of the thesis.

6.1 The successful candidate for Semester I and II examinations shall be classified as under.

- (a) Those who obtain 80% or more marks —Distinction.
- (b) Those who obtain 60% or more marks—1st Class
- (c) Those who obtain less than 60% marks—IIInd Class.

6.2 The thesis for Semester III examination shall be graded into first class or second class. The class so obtained shall be specified separately.

6.3 The relative merit of the successful candidates shall be determined on the basis of aggregate marks obtained in both Semesters I and II.

7. The Controller of examinations shall notify the result as soon as possible after the examination.

29. Regulations 4.1, 4.2 & 7 for B.A./B. Sc. (General & Honours) examination; the Regulations to be given effect to from the admissions of 1990 and subsequent regulations to be re-numbered accordingly. (amendment/addition).

4.1 A person who has passed one of the following examinations with English as one of the subjects shall be eligible to join the First year class of the B.A. or B. Sc. (General and Honours) degree course in a college affiliated to this University :—

4.2 A student who has been placed under compartment in the +2 examination conducted by a Board/Body/Council/University in one subject only shall also be eligible to seek admission to the First Year of B.A./B. Sc. course under the 10+2+3 system of education.

Provided that

- (i) A candidate joining the B.A. First Year class should have obtained at least 33% marks in the aggregate of all the subjects (including the marks obtained by him in the subject of compartment, Theory & Practical/s taken together) taken up by him at the +2 examination.
- (ii) A candidate joining the B.Sc. First Year class should have obtained at least 40% marks in the aggregate of all the subjects (including the marks obtained by him in the subject of compartment, Theory & Practical/s taken together) taken up by him at the +2 examination.

7. The examination in First/Second/Third Year shall be open to a student who—

- (a) has passed not less than one academic year previously the qualifying examination laid down in Regulation 4.1.

In the case of a compartment candidate which is eligible to join B.A./B.Sc. course, the period of one academic year shall be counted from the examination in which the candidate is placed under compartment. A candidate who is placed in compartment/fail in the subject in +2 examination may be allowed to join B.A./B.Sc. Ist Year Class subject to the following conditions :—

The admission of a candidate under Regulation 4.2 shall be provisional and shall be confirmed only after he has cleared the subject of compartment from the parent Board/Body/Council/University in the two consecutive chances subsequent to his admission. In case he does not clear the compartment at two consecutive chances afforded to him, his provisional admission to the 1st year of the B.A./B.Sc. shall stand cancelled.

30. Regulations for award of B.A. degree after qualifying O.T./M.I.L. examinations.

2.1 A candidate who has passed the +2 examination of a recognised Board/Body/Council/University in India and has also passed the Honours Examination in an Oriental Classical Language or in a Modern Indian Language of the University of Panjab at Lahore before 1948 or of Panjab University or an examination of another University which has been recognised as equivalent thereto shall be allowed to appear in English (Language as a Communication Skill) together with two more elective subjects (other than the subject in which they have passed the Honours Examination) in all the three years of the B.A. (General) course under Stream 'B'. In the 3rd year a candidate, if he so chooses, may offer the subject of General Science & Scientific Method or Computer Science in place of one of the two elective subjects which he has already done in the first year and the second year of the 3-year course.

2.2 A candidate taking examinations under this Regulation shall appear in the respective B.A. 1st Year, 2nd Year and 3rd Year examinations in the annual examinations in April, on submission of the prescribed admission application form and fee.

2.3 A candidate appearing under these Regulations shall be entitled to be placed under Compartment in case he obtains at least 20% marks in English (Language as a Communication Skill) or any of the other subjects offered by him, and also obtains at least 40% marks in the aggregate. Such a candidate shall be entitled to have two consecutive chances for clearing the Compartment in the following September/April examination and in case he fails to clear the examination in the Compartment, his result of the B.A. 1st Year, 2nd Year, 3rd Year as the case may be, shall stand cancelled.

2.4 A person who passes the examinations as in Regulation 2.1 may be admitted to the B.A. degree but he shall not be classified into any division.

3. The amount of admission fee to be paid by a candidate shall be as prescribed for the respective B.A. 1st year/2nd year/3rd year examinations.

4. No change.

5. The amount of admission fee to be paid by a candidate shall be as follows :

(1) Pre-University	Rs. 25
(2) B.A. Part I English only	Rs. 30
(3) B.A. Part II English with one elective subject	Rs. 30
(4) B.A. Part III English with one elective subject	Rs. 30
(5) B.A. Parts II & III (Elective subjects) simultaneously after passing B.A. English only under Old Regulations.	Rs. 30

6. A candidate appearing in an examination under these regulations shall, for all purposes, other than those stated in these regulations, be governed by the regulations for the examination concerned.

32. Regulations 1.1, 3.1 and 7.1 relating to Diplomas in —

- (i) Gynaecology and Obstetrics (D.G.O.)
- (ii) Clinical Pathology (D.C.P.)
- (iii) Anaesthesiology (D.A.)
- (iv) Child Health (D.C.H.)
- (v) Tuberculosis and Chest Diseases (D.T.C.D.)
- (vi) Dermatology including Venereal Diseases and Leprosy

(vii) Immunohaematology and Blood Transfusion, at pages 465–68 of Cal., Vol. II, 1988.

1.1 The duration of the course of instruction for the following examinations shall be two academic years :—

(i) to (vii) xxx xxx

3.1 No Change.

(c) Additional Requirements :

for Diplomas in (i), (iii), (iv), (v), (vi) and (vii); of having worked, subsequent to passing the M.B.B.S. Examination—

(a) No Change.

(b) of having been enrolled in the College/Institute for two academic years;

(c) May be deleted.

(i) in a house job (internship or rotating house job shall not be considered) in a recognised hospital for at least one year out of which at least six months shall be in the subject;

OR

(ii) in a hospital approved by the Medical Council of India for internship training, for a period of three years;

OR

(iii) in State Medical Services, Armed Forces Medical Services, or other equivalent services, for a period of five years;

Provided that a year's whole time extra work by the candidate in the department as a Post-Graduate student shall be equivalent to housemanship.

For Diploma in (ii) of having worked before joining the Diploma Course for not less than 6 months in a house job or in the teaching Deptt. of Pathology or of having worked in hospitals approved by the Medical Council of India for internship training for a period of three years or/and of having worked in State Medical Services or Armed Forces Medical Services or other equivalent services for a period of five years.

Provided that a year's whole time extra work in the department as a Post-graduate student shall be equivalent housemanship.

7.1 A candidate who passes the examination at the first attempt and secured at least 80% of the aggregate marks shall be declared to have passed with "distinction".

33. Regulations 1.1, 3.1 relating to Diplomas in —

(i) Medical Radiology (D.M.R.)

(ii) Laryngology and Otology (D.L.O.) and

(iii) Ophthalmic Medicine and Surgery (D.O.M.S.) at pages 470–473 of P.U. Cal. Vol. II, 1988.

1.1 The duration of the course of instruction for the following examinations shall be two academic years :—

(i) to (iii) xxx xxx

3.1 No Change.

(a) No Change.

(b) of having subsequent to passing the M.B.B.S. examination —

(i) in a house job (internship or rotating house job shall not be considered) in a recognised

hospital for at least one year out of which at least six months shall be in the subject;

or

May be deleted.

- (ii) in a hospital approved by the Medical Council of India for internship training, for a period of three years;

or

- (iii) in State Medical Services Armed Forces Medical Services or other equivalent service, for a period of five years.

Provided that a year's whole time extra work by the candidate in the department as a Post-Graduate student shall be equivalent to housemanship.

May be deleted.

- (b) No Change.

- (c) of having attended the prescribed course of instruction additional requirements for D.M.R.

- (i) of having attended a part-time course of instruction in Physics as applied to Medical Radiology for three months; and

- (ii) of having attended along with (i) the department of Radiology of a teaching hospital attached to a medical college affiliated to this University for the Diploma in Medical Radiology course to the satisfaction of the Head of the Department of Radiology.

34. Regulation 6.2 for Bachelor of Education in Yoga at page 296 of the Cal., Vol. II, 1988.

6.2 (A) Each college shall hold atleast two house tests for Part I (theory), Part II (skill and prowess) and Part III (Test in measurement in laboratory techniques). Candidates who obtain less than 30% marks in each theory paper/s & practical/s (in all the tests combined) shall not be allowed to appear in the University Examination. Intimation about such cases be sent by the college Principal at least 10 days prior to the commencement of University examination (B Ed. in Yoga theory) to the University.

In case of failure to get qualifying marks (30%) in house tests in any paper/s, or part (s), the candidate shall have to appear in a special test in paper(s) or part(s) to be arranged by the college concerned in the month of August. In case such candidates obtain qualifying marks, they shall be allowed to appear in the supplementary examination. In case they fail in the special test, they shall appear in the house tests alongwith the regular students of the next session.

6.2 (B) If a candidate absents himself from any one of the house tests conducted by the college/institute, the Principal/Director will have the authority to with-hold or with-draw his name from the University Examination.

S. P. DHAWANE,
Deputy Registrar (General)

Chandigarh-160014

Dated : 12-10-1992

Sealed in my presence with the Common Seal of the Panjab University, this day, Monday, Oct. 12, 1992.

B. L. GUPTA,
Registrar